डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.in

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 17 | अंक 319 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 29 अगस्त 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

सात पेटी शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने 7 पेटी देशी शराब के साथ आरोपी को पकड़ा। मुखबिर की सूचना पर पिपलिया थाना पुलिस ने लालपुरा मार्ग पर सनावदा बेरियर के आगे पुलिस को देख भागे युवक को पकड़ा। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान मजगांव (लखीमपुर खीरी, असम) हाल मुकाम सनावदा निवासी निक पिता जितेन नायक होना बताई। आरोपी के पास प्लास्टिक कट्टे में 7 पेटी शराब (312 क्वार्टर, 58 लिटर) बरामद हुई। अन्य मामले में मल्हारगढ पुलिस ने 10 लिटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ कंर्जाडा (मनासा) निवासी भेरुलाल पिता बंशीलाल भील को, नारायणगढ पुलिस ने 10 लिटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ काचरिया कदमाला निवासी कचरुलाल पिता मांगीलाल बागरी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

मल्हारगढ़ विस: सितंबर के दूसरे सप्ताह में फाईनल होगा कांग्रेस टिकट

सर्वे रिपोर्ट पर मंथन के बाद लगेगी प्रत्याशी के नाम पर मुहर

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अगले माह 10 से 15 सितंबर के बीच कांग्रेस पार्टी 100 सीटों पर अपने प्रत्याशी की घोषणा कर देगी। इसमें लगातार हारने वाली सीटों पर भी प्रत्याशी की घोषणा हो जाएगी। इसमें मल्हारगढ भी शामिल है। यह तय है कि पहली लिस्ट में मल्हारगढ़ विस क्षेत्र में कांग्रेसी प्रत्याशी का चेहरा साफ हो जाएगा। फिलहाल 2 सितंबर को भोपाल में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होने वाली है। इसमें सर्वे रिपोर्ट के साथ ही जिलास्तर पर संगठन के पदाधिकारियों के फीडबैक पर मंथन होगा। इसके बाद उम्मीदवार के नाम फाइनल किए जाएंगे।

जिलाध्यक्ष और प्रभारियों को बंद लिफाफे में देंगे दावेदारों के नाम...

कांग्रेस सितंबर के दूसरे सप्ताह में 100 से अधिक सीटों के टिकट घोषित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मप्र के इंचार्ज जनरल सेक्रेटरी रणदीप सिंह सुरजेवाला और स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन भंवर जितेंद्र सिंह ने प्रदेश के 63 जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों से प्रत्येक विधानसभा से दावेदारों के नाम बंद लिफाफे में मांगे हैं। साथ ही, इलेक्शन कमेटी के चेयरमैन कमलनाथ से 230 विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों के नाम मांगे हैं। खास बात यह है कि बंद लिफाफे में दावेदारों की जाति और उपजाति के बारे में भी पूछा गया है।

तीन चरणों में होगी उम्मीदवारों की घोषणा...

कांग्रेस द्वारा तीन चरणो में उम्मीवार घोषित किए जाने की संभावना है।

पहला चरण - उन सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे, जहां उम्मीदवार

के नाम को लेकर विरोध नहीं है। इसमें हारी हुई सीटें भी शामिल की जाएंगी, ताकि उम्मीदवारों को जनसंपर्क के लिए ज्यादा समय मिल सके।

दूसरा चरण - उन सीटों पर नामों का ऐलान किया जाएगा, जहां कांग्रेस के विधायक हैं। इसमें उन नामों को घोषित किया जाएगा, जिन्हें कमलनाथ क्षेत्र में तैयारी करने का इशारा कर चुके हैं।

तीसरा चरण - इसमें शेष सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जाएंगे। इसमें नए चेहरों के साथ-साथ अन्य दलों से पार्टी में शामिल होने वाले उन नामों की घोषणा की जाएगी, जिन्हें टिकट देने का निर्णय होगा।

प्रजा का हाल जानने...

शहर में निकले राजाधिराज

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सावन के अंतिम सोमवार को दशपुर के राजाधिराज भगवान पशुपतिनाथ प्रजा का हाल जानने शहर में निकले। शहर भर में हर-हर महादेव एवं जय शिव के जयकारे गूंज रहे थे। उमस और गर्मी के बावजूद भी भक्तों का जोश कम नही हुआ ओर दूगना हो गया। डीजे, ढोल की थाप पर कलाकारों सहित युवाओं ने जमकर नृत्य किया। भगवान पशुपतिनाथ की एक झलक देखने को भारी जन सैलाब उमड़ पड़ा। नगर के ही नही वरन दूर दराज से व आस-पास के अंचलों से भी लोगो ने बाबा के दर्शन का लाभ लिया। सभी धर्मालु हाथो में फूल माला लिए बाबा के स्वागत को आतुर दिखे। फूलो एवं विद्युत सज्जा से सुसज्जित रथ को प्रात: कालीन आरती मंडल के 50 से अधिक सदस्य एवं युवा रथ को खिचते चल रहे थे। यात्रा सुबह करीब 10.30 बजे से प्रारंभ हुई। जो नगर के सत्संग भवन खानपुरा,सदर बाजार, धानमंडी, बड़ा चौक, गणपति चैक, शुक्ला चौक, कालाखेत, नेहरू बस स्टेण्ड बालाजी मंदिर होते हुए कालिदास मार्ग, घंटाघर, सदर बाजार से होते हुए वापस पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण पहुंची।

जगह-जगह स्वागत...

सवारी का जगह-जगह स्वागत हुआ। खानपुरा क्षेत्र से लेकर बस स्टेण्ड तक जगह-जगह सवारी मे शामिल बाबा के भक्तो एवं धर्मालुओ के लिए विभिन्न संगठनो द्वारा 150 से अधिक स्थानों पर स्वागत एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। कही फलाहारी खिचड़ी तो कही पानी -शर्बत तो कही फल वितरित किये गये। स्टालो पर भक्तो ने बाबा के उपर फूलो से वर्षा की। सुरक्षा को लेकर भी पुलिस प्रशासन काफी मुस्तैद दिखा।

शाही रथ को 8 किलोमीटर तक रस्से से खिंचा...

सुबह भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव भक्तों का हाल जानने नगर भ्रमण पर शाही रथ निकले। शाही सवारी में कई बाहरी कलाकार कला का जादू बिखेरते नजर आए। सुबह रजत प्रतिमा का पूजन अर्चन जनप्रतिनिधि, संत, समाजसेवियो ने किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष भर में एक बार ही सावन के अंतिम सोमवार को रजत प्रतिमा के दर्शन धर्मालुजन करते हैं। शाही सवारी में रजत प्रतिमा का पूजन-अर्चन कर कर विधि विधान से विराजित किया गया।

यह रहे आकर्षण के केन्द्र...

शाही सवारी में बैंड, भगवान पशुपतिनाथ महोदव का त्रिशूल, मंदसौर का अखाड़ा, नालछामाता की झांकी, ट्राले पर बाहुबली हनुमान झांकी, ट्राले पर श्रीनाथ द्वारकाधीशजी की झांकी, गुजरात के ढोल, ट्राले पर भगवान तिरूपतिजी की झांकी, ट्राले पर राधाकृष्ण की झांकी, ट्राले पर कालकामाता की झांकी, मुंबई ढोल दल, अघोरी झांकी, पैदल नंदी, दाहोद के ढोल, ताशा पाटी, डीजे, डमरू पार्टी उज्जैन, मंदसौर के ढोल, युवतियों का नृत्य, बालिकाओं का गरबा नृत्य, महिला कलश के पश्चात भगवान पशुपतिनाथ महादेव का शाही रथ खास आकर्षण का केंद्र रहा। इसके साथ ही ओखा बाउजी भी पशुपतिनाथ बाबा के साथ नगर भ्रमण को निकले।

जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा बने विश्व चैंपियन

बुडापेस्ट, 28 अगस्त। भारतीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में रविवार देर रात इतिहास रच दिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने 88.17 मीटर के अपने बेस्ट एफर्ट के साथ गोल्ड जीता। यह चैंपियनशिप हंगरी के बुडापेस्ट में 19 अगस्त से 27 अगस्त तक खेली गई। 25 साल के नीरज वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाडी बन गए हैं। उन्होंने पिछले साल यूजीन में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था, जिसे उन्होंने इस बार गोल्ड में बदला। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने सिल्वर जीता। उन्होंने 87.82 मीटर का बेस्ट एफर्ट निकाला। यह चैम्पियशिप 1983 से हो रही है. वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में यह भारत का ओवरऑल तीसरा मेडल है। नीरज की ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी।

पटवारियों की कलमबंद हड़ताल से प्रभावित होंगे आमजन के काम

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सामूहिक अवकाश और भोपाल में प्रदर्शन के बाद सोमवार को प्रदेश के पटवारी हड़ताल पर चले गए। जिले में सभी 330 पटवारियों ने भी तहसीलों में बस्ते जमा करा दिए। इस हड़ताल से जनता से जुड़े कई काम अटकेंगे। खासकर पटवारियों द्वारा किए जाने वाले नामांतरण और जाति प्रमाण पत्र जैसे 7 महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो सकेंगे।

पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि सभी पटवारियो ने तहसील ऑफिस में अपने बस्ते जमा करवा दिए

है। इसके बाद कलम बंद हड़ताल शुरू हो गई है। करीब 25 साल से ग्रेड-पे और प्रमोशन की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक सरकार ने ध्यान तक नहीं दिया है।

जिलों में वैकल्पिक व्यवस्था, लेकिन असर पड़ेगा...

सभी जिलों के कलेक्टरों ने पटवारियों के हड़ताल पर जाने से काम प्रभावित न हो, इसकी वैकल्पिक व्यवस्था की है। राजस्व निरीक्षक यानी आरआई को पटवारियों का काम सौंपा गया है। बावजूद काम पर असर पड़ेगा, क्योंकि राजस्व निरीक्षकों के पास पहले से कई काम है।

बता दें कि नामांतरण, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निर्वाचन के कार्य, फसल गिरदावरी, पीएम-सीएम पेमेंट और पुलिस के साथ घटना स्थल पर पंचनामा बनाना जैसे काम प्रभावित होंगे। यह सभी काम गिरदावर अर्थात राजस्व निरीक्षक अकेला नहीं कर सकता है। क्योंकि, उनके क्षेत्र में कई पटवारी हल्के होते है।

23 से 25 अगस्त तक अवकाश पर रहे थे पटवारी

पटवारी चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। पहले चरण में 21 अगस्त से सभी सरकारी ग्रुप से लेफ्ट हो गए थे और ऑनलाइन काम का बहिष्कार किया था। दूसरे चरण में 23 से 25 अगस्त तक 3 दिन सामूहिक अवकाश पर रहे। 26 अगस्त को भोपाल में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसके बाद 28 अगस्त से वे सामूहिक हड़ताल पर चले गए।

दो हजार का ईनामी पकड़ाया

भानपुरा, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र की भैसोदा चौकी पुलिस ने दो हजार रूपए का इनामी वारंटी पकडा है। पुलिस ने बताया कि न्यायालय भानपुरा के एनडीपीएस एक्ट प्रकरण में स्थाई वारंटी गोपाल सिंह पिता शिवलाल उर्फ शिवसिंह उम्र 43 साल निवासी हतुनिया थाना भवानी मंडी जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस कप्तान मंदसौर द्वारा 2 हजार रूपये के ईनाम की उद्घोषणा जारी की गई थी।

यशोधर्मन पुलिस ने डेढ़ क्विंटल डोडाचूरा जप्त किया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। यशोधर्मन नगर पुलिस ने एमपी- राजस्थान की बॉर्डर से तस्करी कर ले जा जा रहा डोडाचूरा बरामद किया है। तौल करने पर जप्त डोडाचूरा का वजन 1 क्विंटल 47 किलो निकला। आरोपी इको कार से इस तस्करी को अंजाम देने जा रहे थे।

यशोधर्मन नगर पुलिस ने बताया की राजपुरिया नाका मंदसौर- प्रतापगढ़ रोड़ पर वाहन चेकिंग के दौरान एक सिल्वर रंग की मारुती सुजुकी इको कार बिना नंबर की, मंदसौर तरफ से आती दिखी। जिसे फोर्स की मदद से रुकने का ईशार किया तो इको कार चालक अपनी कार को तेज गति से मंदसौर तरफ मोड़कर भगाकर ले गया। पुलिस ने उसका पीछा किया तो कार चालक इको कार को थोड़ी आगे रोड किनारे चालू

हालत मे छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर खेतो मे भाग निकला। कार की तलाशी लेने पर कार के अंदर सफेद गत्ते के कार्टुन रखे मिले। जिसमे रखी प्लास्टिक की थैलियो मे अवैध मादक पदार्थ पिसा हुआ डोडाचुरा 147 किलोग्राम भरा होना पाया गया। मामले में थाना वायडी नगर मंदसौर में अपराध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

एक बार फिर तस्कर ने उठाया अंधेरे का लाभ...

मादक पदार्थों के तस्करों को पकड़ने की अधिकांश कार्यवाही में तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकलते हैं। जिस अंधेरे में तस्करों को रास्ता दिख जाता है, उस अंधेरे में पुलिस को रास्ता ही नहीं मिल पाता है!

बलात्कार का आरोपी 2 घंटे में धराया

सीतामऊ, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने 2 घंटे में ही धर दबोचा। सीतामऊ थाना पुलिस ने बताया कि थाने की साता खेड़ी चौकी क्षेत्र में बालिका के साथ दुष्कर्म होने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिसके आधार पर पुलिस ने तत्काल टीम का गठन कर मुकेश पिता मांगीलाल सुर्यवंशी उम्र 28 साल निवासी धतुरिया को गिरफ्तार कर लिया। घटना के 2 घंटे में ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जिला जैल मंदसौर दाखिल किया गया।

कांग्रेस में कठिन सीटों पर बन सकती है सहमति, नए प्रत्याशियों को मिल सकता है मौका

मंदसौर/उज्जैन, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर-नीमच जिले को भाजपा का राजनीतिक गढ़ माना जाता

है। आज भी संसदीय क्षेत्र की चार विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशी से टक्कर लेने वाला प्रत्याशी कांग्रेस में सहज नजर नहीं आता है। इसी कारण माना जा रहा है कि ऐसी सीटों पर कांग्रेस किसी नवयुवक को प्रत्याशी बनाकर अपनी नई पौध भी तैयार करने का प्रयोग कर सकती है। पहले भी कांग्रेस सरपंच, पार्षद, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों को प्रत्याशी बनाने का प्रयोग कर चुकी है। वर्तमान में कठिन सीटें जिन पर तीन या चार बार से भाजपा प्रत्याशी लगातार जीत रहे हैं। उन पर नए चेहरों को प्रत्याशी बनाकर कांग्रेस यह दांव खेल सकती है।

संसदीय क्षेत्र की जावद सीट से भाजपा के ओमप्रकाश सकलेचा चौथी बार विधायक हैं तो मंदसौर से यशपाल सिंह सिसौदिया, नीमच से दिलीप सिंह परिहार, मल्हारगढ़ से जगदीश देवड़ा लगातार तीसरी बार विधायक बनते आ रहे हैं। आज भी यह चारों नेता अपने क्षेत्र में सक्रिय और लोकप्रिय बने हुए हैं। अपने क्षेत्र को इन नेताओं ने लगभग ऐसा कर दिया है कि कांग्रेस को इनसे टक्कर लेने वाला प्रत्याशी हर बार तलाशना पड़ता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भाजपा के प्रति जनमानस में बढ़ती नाराजगी के वातावरण के कारण कांग्रेस संगठन में फिर से सरकार बना पाने की उमंग जाग उठी है। सिर्फ राजनीतिक वातावरण के कारण कांग्रेस सरकार बनाने लायक सीटें हासिल कर ले, यह संभव नहीं दिख रहा है। अनेक ऐसी सीटें हैं, जिन पर भाजपा विधायकों ने ऐसा कब्जा जमाया हुआ है कि कांग्रेस के लिए सबसे कठिन स्पर्धा वाली सीटें बन चुकी है। इन पर जीत हासिल करना कांग्रेस संगठन के लिए एवरेस्ट फतह करने जैसा है।

इसलिए राजनीतिक वातावरण की बात करें तो इन सीटों पर कांग्रेस बिल्कुल नए चेहरों को प्रत्याशी बनाकर भाग्य आजमा सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह मिथक भी टूटेगा की कांग्रेस हारे हुए को ही इसलिए प्रत्याशी बनती है कि नए युवा कार्यकर्ताओं का अभाव है। कांग्रेस हाई कमान के सर्वे में यही आधार बनाया गया है कि कठिन बन चुकी सीटों पर नए, अच्छी छवि वाले प्रत्याशी को अवसर देकर सीट जीतने का प्रयास किया जाए। अगर ऐसा होता है तो पार्षद, सरपंच, जनपद या जिला पंचायत सदस्य में से किसी को आजमाया जा सकता है। मंदसौर जैसी सीट पर कांग्रेस को बड़े नाम को आजमाने के बाद भी हार ही मिली है। अत: अच्छी छवि वाले पार्षद में तरुण शर्मा के अलावा जिला पंचायत सदस्य दीपक गुर्जर और सुरेंद्र कुमावत पर दांव खेला जा सकता है।

चन्द्रमोहन भगत

मल्हारगढ़ जब से विधानसभा बनी है, अविजीत भाजपा विधायक जगदीश देवड़ा के कब्जे में है। यहां कांग्रेस को अभी तक प्रत्याशियों में पहली बार श्यामलाल जोकचंद फाइट कर पाए थे। उसके बाद इस कठिन सीट पर अब नवयुवा दावेदार तैयार हो चुके हैं। इनमें पूर्व पार्षद तरुण खींची, किशोर गोयल और विजेश मालेचा प्रत्याशी बनने की दौड़ में भी है। सामाजिक आकलन से भी देखें तो हारे हुए प्रत्याशियों के मुकाबले नए युवा पर दांव लगाकर कांग्रेस बेहतर नतीजा पा सकती है। नीमच सीट भी तीन बार से भाजपा के खाते में जा रही है। लगातार हार ने यहां भी कांग्रेस को नया प्रत्याशी तलाशने की स्थिति में खड़ा कर दिया है। जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती और हरीश दुआ जैसे नाम हारे हुए के मुकाबले बेहतर प्रयोग साबित होंगे। जावद सीट के मामले में ये माना जा रहा है कि भाजपा प्रत्याशी ओम प्रकाश सकलेचा के विरुद्ध नगर परिषद जिताने वाले बाबा बोहरा और धाकड़ बहुतायत वाले बालकृष्ण धाकड़ प्रयोग करने जैसे नाम है। ये अलग बात है कि 850 वाहनों के काफिले वाले समंदर पटेल ने जावद से प्रत्याशी बनने के लिए ही कांग्रेस में प्रवेश किया है। कांग्रेस सरकार बनाने के लिए हारे हुए को फिर प्रत्याशी बनाएगी या कठिन सीटों पर जीत के लिए युवाओं का प्रयोग करेगी या भाजपा छोड़कर आने वालों पर भरोसा करेंगी, यह तो समय ही बताएगा। पर टारगेट इन चार सीटों पर रखना होगा। क्योंकि डेढ़ से दो दशक बाहर रहने के बाद भी जीतने लायक प्रत्याशी नहीं उतारे तो प्रदेश में सरकार बनाना सपना ही बना रहेगा।

सभी तरह की दवाईयां लिख सकेंगे डॉक्टर

अपने ही आदेश से पीछे हटा नेशनल मेडिकल कमीशन

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों नेशनल मेडिकल कमीशन ने आदेश जारी कर डॉक्टरों को सिर्फ जेनेरिक दवाईयां लिखने के निर्देश दिए थे। हालांकि एनएमसी अब वापिस अपने कदम पीछे खींच लिए है। डॉक्टर्स के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने के अपने निर्देश को फिलहाल टाल दिया है। अब डॉक्टर जेनेरिक दवाइयों के अलावा दूसरी दवाएं भी प्रिस्क्राइब कर सकेंगे। दरअसल एनएमसी ने नए नियम जारी किए थे, जिनमें सभी डॉक्टरों को जेनेरिक दवाइयां लिखना अनिवार्य कर दिया था। ऐसा नहीं करने पर लाइसेंस रद्द करने की बात कही गई थी।

कमाई का बड़ा हिस्सा दवाओं पर खर्च कर रहे लोग...

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस ने इस निर्देश पर चिंता जताई थी। संगठनों का कहना था कि जेनेरिक दवाइयों की क्वालिटी को लेकर अनिश्चितता है। ऐसे में ये निर्देश ठीक नहीं है। बता दे कि देश में लोग अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च कर रहे हैं। जिसमें बड़ी राशि सिर्फ दवाओं पर खर्च की जा रही है। रेगुलेशन में कहा गया कि जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड मेडिसन की तुलना में 30 प्रश से 80प्रश तक सस्ती हैं। ऐसे में अगर डॉक्टर मरीजों को प्रिस्क्रिप्शन में जेनेरिक... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

भारत और चीन के बीच दिखी उम्मीद की किरण

अगले महीने भारत जी-बीस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। उस दौरान भी दोनों देशों के नेता मिलेंगे। चीन बेशक अपनी विस्तारवादी नीति के तहत भारत पर दबाव बनाने और उसके इलाके में घुसपैठ की कोशिश करता है, पर उसे अच्छी तरह मालूम है कि भारत की हैसियत अब वैसी नहीं है कि उस पर दबाव बनाया जा सके। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच चल रहे विवादों के सुलझने की एक बार फिर उम्मीद बनी है। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने अपने अधिकारियों से सीमा विवाद सुलझाने को कहने का आश्वासन दिया। हालांकि ब्रिक्स सम्मेलन से पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि जब दोनों नेता वहां मिलेंगे, तो वास्तविक नियंत्रण रेखा के विवादों पर विस्तार से बात करेंगे। मगर ऐसा अवसर नहीं बन पाया। फिर भी सम्मेलन से इतर दोनों नेताओं ने इस संबंध में बातचीत की और उनका रुख सकारात्मक देखा गया। इससे यह संकेत साफ है कि दोनों के रिश्तों में वैसी खटास नहीं है, जैसी आमतौर पर दो देशों के बीच सीमा विवाद के चलते देखी जाती है। चीन ने भी भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल जी-20 के शिखर सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया में मिले थे। ब्रिक्स सम्मेलन में इनके मिलने से पहले इस मुद्दे पर दोनों देशों के वरिष्ठ सेनाधिकारियों की उन्नीसवें दौर की दो दिवसीय बातचीत हो चुकी थी, जिसमें विवाद खत्म करने का सकारात्मक संकेत दिखाई दिया था। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विवाद भारत की तरफ से पैदा नहीं हुआ है। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के अधिकार वाले क्षेत्रों में घुसपैठ और कब्जा करने का प्रयास करता रहता है। इसी के कारण 2020 में चीनी सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिसे लेकर संघर्ष हुआ और दोनों तरफ के सैनिक मारे गए थे। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। चीन ने भारत के हिस्से वाली कुछ जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती कर रखी है, जिसकी वजह से पहले जहां तक भारतीय सैनिक गश्ती किया करते थे, वहां तक नहीं जा पाते। गलवान, डेपसांग, डोकलाम, तवांग जैसे कई इलाकों में चीनी सैनिकों की घुसपैठ बताई जाती है। भारत चाहता है कि उन इलाकों में यथास्थिति बहाल हो। हालांकि दोनों देशों ने बातचीत के आधार पर कुछ इलाकों से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया है, मगर अब भी कई इलाके विवादित हैं। ये विवाद सुलझाने पर सहमति बनने की उम्मीद इस बात से नजर आती है कि चीन ने कभी बातचीत से अलग होने की कोशिश नहीं की। हालांकि वह अपनी शर्तों और जिद पर कायम रहता है, पर दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला चलता रहे, तो समाधान का रास्ता भी बनेगा। अगले महीने भारत जी-बीस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। उस दौरान भी दोनों देशों के नेता मिलेंगे। चीन बेशक अपनी विस्तारवादी नीति के तहत भारत पर दबाव बनाने और उसके इलाके में घुसपैठ की कोशिश करता है, पर उसे अच्छी तरह मालूम है कि भारत की हैसियत अब वैसी नहीं है कि उस पर दबाव बनाया जा सके। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ विज्ञान और तकनीक के मामले में भारत निरंतर आत्मनिर्भर हो रहा है। व्यापार वाणिज्य के मामले में भी चीन पर उसकी निर्भरता कम हो रही है। सामरिक शक्ति के पैमाने पर वह चीन को टक्कर देने लगा है। ऐसे में वह भारत से अपने रिश्ते खराब कभी नहीं करना चाहेगा। आज भी भारत, चीन के लिए एक बड़ा बाजार है। ऐसे में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विवादों को सुलझाने में बेशक कुछ देर हो, पर इसे लेकर नाउम्मीद बिल्कुल नहीं हुआ जा सकता।

ऊधमबाज़ी से रुआंसा हुआ चंद्रयान

पंकज शर्मा

चंद्रयान-3 जितने हौले-से चंद्रमा की सतह पर उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इसकी श्रेय की कलगी ज़िल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही ज़ोर से लपकी।ज दरअसल हमें हर बात पर बस ऊधम मचाना है। रीति-रिवाज़ पर, धर्म पर, भाषा पर, खानपान पर, गाय पर, चीते पर, राजचिह्न पर, सेंगोल पर, संविधान की धाराओं पर, संसद के निर्माण पर, वंदेभारत रेल पर, प्रगति मैदान की सुरंग पर, सिर्फ़ ऊधमी बिगुल बजाना है। छिप-छिपा कर और खुलेआम किए गए अपने हर करतब के बखान की ध्वनि को डेढ़ सौ डेसिबल तक पहुंचाने के लिए जी-जान एक कर देना है। ज चंद्रयान-3 जितने हौले-से चंदमा की सतह पर उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इसकी श्रेय की कलगी ज़िल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही ज़ोर से लपकी। चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर जितने हौले-से उतरा, हमारी सत्तारूढ़-मंडली इस के समूचे श्रेय की कलगी ज़िल्ल-ए-सुब्हानी के साफे पर टांकने को उतने ही ज़ोर से लपकी। ताबेदार अपने सुल्तान के मन की बात न जानें तो काहे के ताबेदार? फिर ज़िल्ल-ए-सुब्हानी स्वयं भी कौन-से संकोची हैं? एक दशक में संसार की सारी रोशनी का किरण-केंद्र उन्होंने जैसे खुद पर कर रखा है, उस की चुंधियाहट में कोई और किसी को दिखाई ही कहां दे रहा है? सो, छोटे परदे और अख़बार के पन्नों के आधे से ज़्यादा हिस्से पर पर हम ने अपने प्रजापालक को पसरे देखा और चंद्रयान

बेचारा चंदामामा की गोद में सिकुड़ कर छुप गया। ब्रिक्स की बेइंतिहा मसरूफ़ियत के बावजूद अपना अमूल्य समय निकाल कर हमारे सुल्तान ने इसरो के प्रमुख श्रीधर पणिक्कर सोमनाथ को याद दिलाया कि उन के तो नाम में ही 'सोम' है, सो, सोमनाथ के होते चंद्रयान भला कैसे चांद पर न उतरता? भगवान शिव के प्रति अपने प्रधानमंत्री के ऐसे भक्तिभाव ने मुझे गदगद कर दिया। विज्ञान की उपलब्धियों को अध्यात्म की छुअन दे कर सोने पर सुहागा करने की जैसी विलक्षण कला नरेंद्र भाई मोदी में है, मैं ने तो किसी और में नहीं देखी। राजा दक्ष प्रजापति के श्राप से मुक्ति पाने के लिए चंद्र देवता ने शिव को अपना स्वामी मान कर पृथ्वी पर जहां तपस्या की थी, वह जगह गुजरात के सौराष्ट्र में है। चंद्र देवता ने शिव से वहां ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित होने का आग्रह किया। बारह ज्योतिर्लिंगों में से यही पहला है - सोमनाथ। मैं भी पूरी आस्था से यह बात मानता हूं कि विज्ञान-फिज्ञान अपनी जगह है, मगर अगर ईश्वर साथ न हो तो सफलता नहीं मिलती। इसलिए हमें अपने चंद्रयान अभियान की भावी श्रंखलाओं को भी सफल बनाने के लिए यह ध्यान रखना बेहतर होगा कि इसरो के सभी अगले प्रमुखों के नामों में रुद्र, पशुपति, महेश्वर, वामदेव, शंकर, श्रीकंठ, अंबिकानाथ, गंगाधर, जटाधर, विश्वेश्वर, मृत्युंजय जैसे शब्दों का समावेश हो। ऐसा होगा तो चंद्रयानों की झड़ी लग जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अब हमें इतना जागरूक तो बना ही दिया है कि हम जानें भी और मानें भी कि इसरो के अब तक के 89 उपग्रह मिशनों में से 47 का लॉन्च नरेंद्र भाई मोदी के नौ साल में हुआ है। यानी इसरो की स्थापना के बाद 52 बरस में सिर्फ़ 42 सैटेलाइट लॉन्च हुए - हर सवा साल में एक; और, नरेंद्र भाई के राज में हर साल पांच से ज़्यादा। नरेंद्र भाई के पहले 13 लोग देश के प्रधानमंत्री बने, पर सब ऊंघते रहे। आप कहते रहिए कि नरेंद्र भाई के आगमन के बाद हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रमों का बजट घटा है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि विज्ञान की हमारी दुनिया के भाग्य तो 2014 के बाद ही खुले हैं। कोई समझा हो, न समझा हो, मैं तो साढ़े चार बरस पहले ही समझ गया था कि अब आकाश-जगत में भारत को विश्व-गुरु बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। फरवरी 2019 में जिस दिन प्रधानमंत्री जी ने पाकिस्तानी सरहद में बने आतंकवादी अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तारीख़ मौसम की खराबी की वजह से बदलने की इजाज़त नहीं दी और कहा कि बादल और बरसात हैं तो और भी अच्छा है, क्योंकि पाकिस्तान के राडार हमारे विमानों को पकड़ नहीं पाएंगे; मैं तो उसी दिन से लंबी चादर तान कर निश्चिंत सो रहा हूं। काहे का इसरो? काहे के वैज्ञानिक? चंद्रयान का चांद पर अवतरण हमारे मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व की प्रज्ञा और कौशल की उपलब्धि है। पहले के प्रधानमंत्रियों की तरह अगर नरेंद्र भाई भी तंद्राभिभूत होते तो क्या हम चांद पर उतरने वाला चौथा और उस के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बनते? आज़ादी के बाद 1948-49 में भारत सरकार का बजट 197 करोड़ रुपए का था। पंडित जवाहरलाल नेहरू तब कसामुसी के चलते विज्ञान परियोजनाओं के लिए सिर्फ़ एक करोड़ 10 लाख रुपए आवंटित कर पाए थे। यानी बजट का तक़रीबन आधा प्रतिशत। मगर जब नेहरू के कार्यकाल के आख़ीर में देश का बजट 1700 करोड़ रुपए हो गया तो विज्ञान परियोजनाओं के लिए उन्होंने 85 करोड़ रुपए रखे। यानी पांच प्रतिशत। एक करोड़ से 85 करोड़ रुपए तक का इज़ाफ़ा। यह 15 साल में 85 गुना बढ़ोतरी ही हुई न? और, अब हाल क्या है? आज जब देश का बजट क़रीब साढ़े 39 लाख करोड़ रुपए का है, विज्ञान परियोजनाओं के लिए नरेंद्र भाई ने 14217 करोड़ रुपए दिए हैं। यानी आधा प्रतिशत से भी कम। मगर फिर भी नेहरू विज्ञान को ले कर आलसी थे और नरेंद्र भाई ने विज्ञान परियोजनाओं को ऐसी रफ़्तार दे दी है कि भूतो न भविष्यति। यही बात मैं ने चंद्रयान पर हुई टेलीविज़न बहसों में कह दी तो नरेंद्रोन्मुख बहसबाज़ तो बहसबाज़, गिलगिल करने वाले टीवी-सूत्रधार भी शाब्दिक ताडव करने लगे। चंद्रशेखर वेंकट रामन, होमी जहांगीर भाभा, विक्रम साराभाई, हरगोविंद खुराना, सतीश धवन, शांतिस्वरूप भटनागर, एपीजे अब्दुल कलाम, वग़ैरह आज होते तो विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल हो रही उपलब्धियों के नाम पर पिछले कुछ वक़्त से हो रही सियासत को देख कर अपना सिर पीट रहे होते। ठीक है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति विकास परियोजनाओं को गति देने का प्रमुख घटक है। बजाय उन के श्रेय में सेंधमारी की नीयत रखना, आप ही बताइए, अक्षम्य है या नहीं? उन के स्वेद-बिंदुओं से स्वयं की सूरत संवारने का सिलसिला समाप्त होना चाहिए या नहीं? पिछले एक दशक में ऊधमबाज़ी की बढ़ती प्रवृत्ति ने हमारे सकारात्मक प्रतिफलों के उत्सवों को भी हो-हल्ले में तब्दील कर दिया है।

सादगी में है सुख, चक्रव्यूह में फंसाती है इच्छाओं की बहुलता

सरस्वती रमेश

सच मानें तो सादगी जीवन का सबसे खूबसूरत आभूषण है। यह आभूषण जिस किसी ने भी अपने जीवन में धारण किया, उसने जीवन में वास्तविक सुख का अर्थ भी जाना। असल में जीवन की सहजता, सरलता का रहस्य सादगी में ही छिपा है। इच्छाएं अनंत हैं। इच्छाओं की यह बहुलता जीवन को जटिलताओं के चक्रव्यूह में फंसाती है और आदमी लगातार फंसता जाता है। परिणाम क्या होता है? इच्छाएं पूरी न होने पर तनाव और अवसाद से आदमी को घिर जाता है। जबकि सादगी के साथ जी कर वह इस स्थिति से बच सकता है। अपनी इच्छाओं पर लगाम लगाकर रखना, अपनी जरूरतों के पांव आमदनी की चादर के भीतर रखना सादगी से जीने के अचूक नुस्खे हैं। ऐसा करने पर वह सीमित संसाधनों में भी सहज, सरल, आडंबरहीन जीवन जी सकता है। प्रसन्नचित रहकर असीमित आनंद उठा सकता है। जब हम सरल सादा जीवन जीते हैं तो हमारे सरोकार इस ब्रह्मांड की छोटी-छोटी चीजों से अपने आप ही जुड़ जाते हैं। हम इस प्रकृति से अलग न होकर उसके साथ एकमेव हो जाते हैं, क्योंकि सादगी संसाधनों के अनुचित दोहन की वकालत नहीं करती। इसलिए सादा होना खूबसूरत होना है। असंख्य होने के बावजूद एक फूल की पंखुड़ियों में कहीं कोई जटिलता नहीं मिलेगी। रंगों में कोई दुराव नहीं होगा। खुशबू में कोई मिलावट नहीं होगी। फिर भी वह कितना मनमोहक और खूबसूरत होता है। मगर मनुष्य की प्रवृत्ति आमतौर पर थोड़ी उलट-सी होती है। प्रकृति ने उसे एकदम सहज, सरल बना कर इस धरती पर भेजा। मगर अपनी बुद्धि का दुरुपयोग कर वह दुनिया भर की कुटिलता, अहंकार, लालच, ईर्ष्या, क्रोध, निर्दयता जैसे अवगुणों को अपनाकर अपना जीवन जटिल बना लेता है। यही जटिलता उसके आचरण और व्यवहार में दिखती है। उसके कार्यों में परिलक्षित होती है और सबसे बड़ी बात उसके आसपास का माहौल भी उसकी इस जटिलता से प्रभावित होता है। तो आखिर वे कौन-सी वजहें हैं जो सादगी भरे हमारे जीवन में अवरोधक हैं। एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हम एक दूसरे को देख कर अच्छी-बुरी चीजें सीखते हैं। हमारे पड़ोसी के पास कोई कार है तो हमारे पास भी वही या उससे महंगी गाड़ी होनी चाहिए। फिर चाहे हमें उसकी जरूरत हो या नहीं। हम उसके रखरखाव के लिए सक्षम हो या नहीं। दिखावे की भावना सादगी से भटकाने वाला सबसे बड़ा कारक है। दरअसल, दिखावा करने से अहंकार आ जाता है। इसलिए अहंकार से बचना चाहिए और वस्तुओं का इस्तेमाल भी सम्मान से करना सीखना चाहिए। असल में, जरूरत से ज्यादा वस्तुओं या विचारों का संग्रह खतरनाक प्रवृत्ति है। वस्तुओं की अधिकता हमारी दिनचर्या को अस्त-व्यस्त करके रख देती है। हम हर वक्त उसके रखरखाव, सुरक्षा और चयन को लेकर चिंतित और प्रयत्नशील हो जाते हैं। जबकि विचारों की अधिकता हमारे मस्तिष्क के भीतर उथल-पुथल मचा देती है। इस हलचल में उपयोगी विचार भी अपने मार्ग से भटक जाते हैं। इस तरह सुविचारों के नष्ट होने से हम अच्छे कार्यों, संस्कारों और व्यवहार के प्रति उदासीन हो जाते हैं। इसलिए हमें अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच संतुलन बैठाकर संतुलित मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। एक समय था जब मनुष्य के पास विकल्पों की भारी कमी थी। जैसे आने-जाने के लिए घोड़ा गाड़ी या बैलगाड़ी। कोई तीसरा साधन उसे सहजता से उपलब्ध नहीं था। आज आवागमन के लिए सैकड़ों साधन पल भर में हमारे सामने उपलब्ध हैं। लेकिन विकल्पों की भरमार ने जीवन को जितना सुविधासंपन्न बनाया उतना ही जटिल भी। सड़कें, रेलवे, हवाई मार्ग बढ़ते-बढ़ते इतना बढ़ गए हैं कि धरती की खूबसूरती को ही निगलने लगे। गंदगी, प्रदूषण, शोर, बीमारियां बढ़ने के साथ रोज हजारों की संख्या में दुर्घटनाएं होने लगीं। दुनिया भर में हर वर्ष लाखों लोग बेमौत मरने लगे। विकल्पों का अनियंत्रित होना ही जी का जंजाल बनता जा रहा। कुछ लोग कहते हैं कि महंगे कपड़े, महंगी वस्तुएं सम्मान की प्रतीक हैं। वे समाज में सम्मान पाने के लिए इसे खरीदते हैं। इसके लिए वे ज्यादा मेहनत व कमाई करते हैं। कई बार तो अधिक पैसों के लिए वे जीवन की कई अच्छी बातों से समझौता कर उसकी सहजता से भी हाथ धो बैठते हैं। पर सोचने वाली बात यह है कि क्या वाकई में हमारा पैसा हमारे सम्मान का कारण है। आज के वैचारिक शून्यता वाले परिवेश में यह बात काफी हद तक सच मानी जा सकती है। मगर ऐसा है नहीं। असली सम्मान हमारे कार्यों और विचारों से मिलता है। पैसों से नहीं। पैसों से कमाया गया सम्मान क्षणिक होता है। जबकि विचारों व कार्यों से कमाया गया सम्मान अक्षुण्ण होता है।

दुनिया को मुश्किल में डालेगी चीन की सुस्ती

चीन डिफ्लेशन में फंस गया है। लोग खर्च घटाने लगे हैं, इन्वेस्टमेंट कम होता जा रहा है और बेरोजगारी बढ़ रही है। हाल यह हो गया है कि चीन ने अब बेरोजगारी के आंकड़े देने बंद कर दिए हैं। डिमांड बढ़ाने के लिए चीन के केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ब्याज दर घटा रहा है। लेकिन इससे बात बनने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही। यह दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता की बात है। चीन में जुलाई के दौरान बैंक लोन ग्रोथ घटकर 14 साल के निचले स्तर पर चली गई। चीन का एक बड़ा प्रॉपर्टी डिवेलपर डिफॉल्ट के कगार पर पहुंच चुका है और एक लाख करोड़ युआन यानी 138 अरब डॉलर के एसेट अंडर मैनेजमेंट वाला वित्तीय संस्थान झोंग्झी एंटरप्राइज ग्रुप कंपनी अपने कई इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स पर पेमेंट नहीं कर पाया। इससे चीन की बैंकिंग इंडस्ट्री के गहरे संकट में फंसने का संकेत मिल रहा है। कई बैंकों ने चीन की इकनॉमिक ग्रोथ के अनुमान घटा दिए हैं। चीन ने इस साल 5 प्रतिशत ग्रोथ का टारगेट रखा है, लेकिन जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी का कहना है कि 2023 में चीन 4.8 प्रतिशत ग्रोथ दर्ज करेगा, वहीं बार्कलेज ने ग्रोथ एस्टिमेट घटाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया है। यह पहला मौका नहीं है, जब चीन को इस तरह की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों को लग सकता है कि पिछले 45 वर्षों में चीन ने लगातार तेज ग्रोथ दर्ज की है, लेकिन ऐसा है नहीं। लगभग हर दशक में ऐसा हुआ है कि पिछले रिफॉर्म्स का या तो असर घटने लगा या फिर उनकी वजह से ही दिक्कत आने लगी। तब पॉलिसी में बदलाव किए गए। 1978 में जो आर्थिक सुधार किए गए, वे कल्चरल रिवॉल्यूशन से हुए आर्थिक नुकसान से उबरने के लिए किए गए। तब उद्यमों को बढ़ावा दिया गया। कृषि उपज भी बढ़ी, लेकिन प्राइस डीकंट्रोल के चलते इंफ्लेशन को हवा मिली। फरवरी 1989 में इन्फ्लेशन 28 प्रतिशत हो चुकी थी। थियानमेन चौक पर नौजवानों के विरोध प्रदर्शन के पीछे इसका भी हाथ था। इसके बाद प्राइवेट सेक्टर की ग्रोथ को बढ़ावा दिया गया। 1990 में शंघाई स्टॉक एक्सचेंज दोबारा खोला गया। रेनमिंबी का अवमूल्यन किया गया। इसके चलते ग्रोथ बढ़ाने में मदद मिली। 2000 के दशक के शुरुआती वर्षों में बड़े पैमाने पर लोन माफ किए गए, सरकारी बैंकों को नई पूंजी मुहैया कराई गई और चीन वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन में शामिल हुआ। इसके चलते ग्रोथ के अगले चरण की राह बनी। 2009 में फाइनैंशल क्राइसिस के चलते जब पश्चिमी देशों में वस्तुओं की डिमांड कमजोर पड़ी, तब चीन ने बड़े पैमाने पर राजकोषीय राहत पैकेज जारी किए। इसके साथ उसने इन्फ्रास्ट्रक्चर और रीयल एस्टेट पर जोर लगाया। इस दौरान चीन ने विदेशी कंपनियों को अपने यहां तमाम सहूलियतें दीं। इन विदेशी कंपनियों के साथ पूंजी तो आई ही, ग्लोबल वैल्यू चेन से चीन गहराई के साथ जुड़ने लगा। इसके साथ ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में चीन का दबदबा बढ़ा। साफ है कि समय-समय पर मुश्किलें उभरती रहीं और उनके मद्देनजर चीन अपनी पॉलिसी बदलता रहा। इकॉनमी की खराब हालत को देखते हुए आज भी मांग उठ रही है कि चीन पहले की तरह बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने से राहत दे और केंद्रीय बैंक भी इसमें हाथ बंटाए। इससे परंपरागत तौर पर कर्ज के जरिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रॉपर्टी में होने वाली ग्रोथ रफ्तार पर आएगी। लेकिन शी चिनफिंग 'स्ट्रैटेजिक फोकस' पर टिके दिख रहे हैं। इस पॉलिसी का मतलब यह है कि चिनफिंग कर्ज से दबे प्रॉपर्टी सेक्टर में कर्ज घटाने के साथ एडवांस्ड टेक्नॉलजी के मामले में ग्लोबल लीडरशिप हासिल करने पर जोर दे रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष · वृषभ · मिथुन · कर्क · सिंह · कन्या · तुला · वृश्चिक · धनु · मकर · कुंभ · मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 4976

			3	6	9			4
		9					5	
	2				4	7	1	
4	9	8						7
			1		7			
1						4	3	5
	8	1	6				4	
	5					3		
9			2	7	1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 4975

5	4	2	8	1	3	6	7	9
8	7	9	2	6	4	1	5	3
1	6	3	9	5	7	4	2	8
7	3	1	5	9	6	2	8	4
4	5	8	7	3	2	9	1	6
2	9	6	1	4	8	5	3	7
6	1	4	3	7	5	8	9	2
3	8	5	4	2	9	7	6	1
9	2	7	6	8	1	3	4	5

वर्ग पहेली 4976

संकेत: बाएं से दाएं

1. 27 अगस्त 1976 को [illegible] (3)
4. [illegible] (3)
7. [illegible] (4)
9. [illegible] (3)
10. [illegible] (4)
12. [illegible] (3)
14. [illegible] (3)
16. [illegible] (2)
18. [illegible] (2)
19. [illegible] (3)
22. [illegible] (6)
24. [illegible] (3)
25. [illegible] (3)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (4)
2. [illegible] (2)
3. [illegible] (5)
4. [illegible] (3)
5. [illegible] (2)
6. [illegible] (4)
8. [illegible] (2)
11. [illegible] (2)
13. [illegible] (5)
15. [illegible] (3)
16. [illegible] (4)
17. [illegible] (2)
18. [illegible] (3)
20. [illegible] (3)
21. [illegible] (2)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 4975 का हल

बजरंग दल शौर्य जागरण यात्रा मनासा में 10 को, होगा राममय माहौल

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रखंड के सभी 119 गांवों में होंगे हनुमान चालीसा के पाठ

मनासा, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बजरंग दल सदेव हिन्दुत्व के लिए संघर्षरत है,देश और धर्म पर आने वाले संकटों से सामना करने में सर्वप्रथम उपस्थित रहता है,फिर वह रामसेतु को बचाना हो, गौरक्षा करना हो,हिंदू बहन बेटियों को लव जिहाद के षड्यंत्र से बचाना हो या हिंदू नवयुवकों को संस्कारी बनाना हो।

बजरंग दल जिला संयोजक दुर्गेश धनगर ने बताया कि इसी क्रम में बजरंग दल द्वारा संपूर्ण देश में शौर्य जागरण रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य हिंदू समाज में शौर्य का जागरण करना है एवम हिंदू समाज की सुप्त शक्ति को जागृत कर हिंदू समाज को संगठित करते हुए शक्तिशाली बनाना है। इस अवसर पर मनासा प्रखंड में यह शौर्य जागरण रथ यात्रा 10सितंबर रविवार को प्रात: 11बजे प्रवेश करेगी,जिसको धनंढेडी चारभुजा से विशाल वाहन रेली के साथ मनासा में लाया जाएगा,जिसका जगह जगह भव्य स्वागत होगा,साथ ही धान मंडी गेट पर विराट धर्मसभा होगी,इसके निमित मनासा प्रखंड में रहने वाले प्रांत,विभाग,जिला के दायित्व वान कार्यकर्ता प्रखण्ड व खंड टोली के साथ गांव गांव तक प्रवास करके सभी 19खंड के 119 गांव व नगर के मोहल्ले में हनुमान चालीसा समिति बनाकर प्रत्येक गांव में मंदिर पर हनुमान चालीसा शुरू करवाएंगे जो की प्रभु श्री राम लला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी तब तक यह अनवरत चलता रहेगा, इस विशाल आयोजन में आने के लिए निमंत्रण भी सभी को दिया जा रहा है,सभी से आव्हान करते हुए अपने मित्र एवम् परिजनों के साथ इस धर्म यात्रा में सहभागी बन यात्रा को यशस्वी बनाएं।

धर्म एवम् राष्ट्रीय यज्ञ में अपने समय की आहुति प्रदान करें- इस अवसर पर प्रांत विद्यार्थी प्रमुख प्रेम कुशवाह, जिला संयोजक दुर्गेश धनगर, सहमंत्री समरथ बागवान,गोपाल सोनी, तेजकरण मोदी,राहुल कुशवाह, मंगल सिंह देवड़ा,दिलीप राठौर, सर्वेश झंवर,दिनेश सेन,अर्जुन यजुर्वेदी, जितु पाराशर,जगपाल फरक्या,लक्की शर्मा, चिंटू आदिवाल,युवराज राठौर,सावन चौहान, महेश कहार,करूलाल धनगर, तूफान मेरियाखेडी,मोहित बिड्ला, राहुल प्रजापत,दीपक पटेल, अविनाश आर्य,गोपाल मोदी,अनिल कुशवाह, लोकेश जगोलिया,गोलू राठौर, आयुष सोनी,श्याम छाबडा,गौरव भाटी, चयन दरक,दिलीप सांवलिया, करन छाबडा व नगर,खंड के दायित्व वान कार्यकर्ता गांव गांव व मोहल्ले तक बैठक कर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह कर रहे है।

नि:शुल्क कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग प्रशिक्षण कार्यक्रम

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला समन्वयक सैडमेप जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंदसौर द्वारा बताया गया कि उद्यमिता विकास केन्द्र मप्र इच्छुक बेरोजगार युवक/युवतियों हेतु नि:शुल्क कोशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला स्तर पर मंदसौर में आयोजित किया जावेगा। प्रशिक्षणार्थीयों का चयन संस्था द्वारा किया जायेगा जिन्हें नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। बेरोजगार युवक एवं युतियाँ जो प्रशिक्षण में भाग लेना चाहते है अंकसूचि, जाति प्रमाण, आधार कार्ड, मूल निवासी प्रमाण पत्र, पेन कार्ड, समग्र आईडी, राशन कार्ड एवं चार पासपोर्ट फोटो लेकर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंदसौर में जा सकते है। अधिक जानकारी के लिए 6269373346 एवं 07422-401050 पर संपर्क कर सकते है।

10 हजार किलो मीटर का सफर, 678 रथ और 211 बड़ी सभाएं होगी

गृह मंत्री शाह 3 से जन आशीर्वाद यात्रा की शुरुआत करेंगे, जबकि इसके समापन में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे

भोपाल, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से चुनाव प्रचार से पूर्व ही लोगों के बीच पहुंचेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यात्रा की शुरुआत करेंगे। जबकि इसके समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। वीडी शर्मा ने बताया कि भाजपा जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से जनकल्याण के कार्यों को प्रत्येक विधानसभा में जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। शर्मा के अनुसार भाजपा इस बार पांच जनआशीर्वाद यात्राएं निकालेगी।

ऐसा रहेगा यात्राओं का शेड्यूल- पहली जन आशीर्वाद यात्रा 3 सितंबर को विंध्य संभाग के चित्रकूट से शुरू होगी। इसका शुभारंभ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। दूसरी जन आशीर्वाद यात्रा महाकौशल के मंडला से 5 सितंबर को शुरू होगी। इसका भी शुभारंभ अमित शाह ही करेंगे।✻ तीसरी जन आशीर्वाद यात्रा 4 सितंबर से इंदौर संभाग के खंडवा से शुरू होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इसकी शुरुआत करेंगे।✻चौथी यात्रा उज्जैन संभाग से 4 सितंबर को ही प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।✻पांचवीं और अंतिम यात्रा ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर से निकाली जाएगी। यह 6 सितंबर को शुरू होगी। जिसकी शुरुआत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे।

25 सितंबर को होगा समापन- जन आशीर्वाद यात्रा का समापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर किया जाएगा। समापन कार्यक्रम भोपाल में होने वाले कार्यकर्ता महाकुंभ में होगा। जिसमें 10 लाख भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे।

10 हजार किमी से अधिक का होगा सफर- प्रदेश में निकाली जाने वाली ये पांचों जनआशीर्वाद यात्राएं 10 हजार 643 किमी का सफर तय करेंगी। इस दौरान 678 रथ सभाएं और 211 बड़ी सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

पत्रकार महाकुंभ में वक्ताओं ने पत्रकारिता के परिदृश्य पर डाला प्रकाश

नीमच, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले केडीकेन नगर में शनिवार को पत्रकार कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें सैंकड़ों कलमकारों ने शिरकत की। कार्यशाला में पहला सत्र तय समय से प्रारंभ हुआ। जो दोपहर 2 बजे तक चला। पत्रकार कार्यशाला के पहले सत्र के मुख्य अतिथि जिलाधीश श्री दिनेश जैन व जावद एसडीएम राजकुमार हलधर ने विधिवत शुभारंभ किया। तो वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी सत्यनारायण गगरानी ने की। साथ ही जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष राहुल जैन तथा उपाध्यक्ष विजित राव महाडिक भी मंचासीन रहे।

रविवार को जिला प्रेस क्लब नीमच (रजि.) की ओर से गगरानी धर्मशाला डिकेन में आयोजित कार्यशाला के पहले सत्र में बतौर मुख्य अतिथि दिनेश जैन ने कलमकारों को संबोधित किया। श्री जैन ने बताया कि इस तरह पत्रकारों के लिए कार्यशाला आयोजित होना जरुरी है। इससे सभी पत्रकारों को एक जगह मिलने का अवसर मिलता है। साथ ही ऐसे अवसरों पर सभी आत्म अवलोकन करते है कि हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे है। मीडिया कार्यशाला के जरिए पत्रकारों की कार्य कुशलता का मुल्यांकन होता है। इससे सिखने के अवसर बढ़ते है। इसके अलावा कलेक्टर श्री जैन ने विस्तार से मीडिया की उपयोगिता के बारे में समझाया। संबोधन उपरांत कलेक्टर श्री दिनेश जैन का तमाम पत्रकारों ने शाल ओढ़ाकर व अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मान किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में 'समय के साथ बदलती पत्रकारिता और गिरते सिद्धांत' विषय पर सर्वप्रथम रघुवीर तिवारी जी भोपाल (संपादक-दैनिक प्रदेश टाइम्स) ने पत्रकारों को मार्गदर्शन दिया। इसके बाद शिवकुमार विवेक भैया भोपाल (प्रोफ़ेसर माखनलाल चतुर्वेदी विश्व विद्यालय) का भी पत्रकारों को मार्गदर्शन मिला। श्री रघुवीर तिवारी जी ने अपने वक्तव्य में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया के महत्व को समझाया। साथ ही उपयोगिता व विश्वसनीयता पर विस्तार से समझाया। श्री तिवारी ने बताया कि वर्तमान में इन सबसे हटकर एक न्यू मीडिया आया है। जिसे लोग एआई कहते है। जिसका वर्तमान में काफी विस्तार हो चुका है। इंस्टाग्राम, ब्राडकास्टिंग, पोडकास्टिंग, यूट्यूब जैसे तमाम प्लेटफार्म पर एआई का उपयोग हो रहा है। इसी तरह माखनलाल चतुर्वेदी विश्व विद्यालय भोपाल से विवेक भैया ने पत्रकारिता के इतिहास से लगाकर वर्तमान परिपेक्ष्य तक पत्रकारिता जगत में आए उतार-चढ़ाव को विस्तार से समझाया।

आई सेक्ट संस्था भानपुरा के डायरेक्टर अमित हरसोला सम्मानित

भानपुरा, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक सस्थां समग्र दिगम्बर जेन बघेरवाल मालवा प्रातं का एक दिवसीय सम्मेलन भानपुरा में प्रदेश अध्यक्ष जैनेन्द्र सांवला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ इसमें समाज के डॉक्टर इंजीनियर, सीए, एवं धार्मिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया उनमें भानपुरा नगर के पत्रकार एवं समाजसेवी अमित हरसोला का सम्मान किया गया अमित हरसोला शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करते हुए पिछले 21 वर्षों से नगर में आई सेक्ट एजुकेशन सेंटर नाम से प्रतिष्ठित संस्था का संचालन कर रहे हैं इन 21 वर्षों में आपने भानपुरा तहसील के हजारों विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा देकर उनका करियर बनाया आज इस संस्थान से निकले हुए

विद्यार्थी देश-विदेश में नौकरी कर रहे हैं या कंप्यूटर से संबंधित स्वरोजगार में लगे हुए हैं हरसोला भानपुरा की आवाज के संपादक हैं बघेरवाल दर्पण के सह संपादक, प्रेस क्लब उपाध्यक्ष,दिगंबर जैन सोशल ग्रुप उज्जैन रीजन के निर्देशक, दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा के मीडिया प्रभारी, दिगंबर जैन औषधालय के सचिव, दिगंबर जैन मंदिर कैथुली कमेटी, दिगंबर जैन छोटा मंदिर कमेटी, जैन गजट सहित कई सामाजिक संस्थाओं में पदाधिकारी होकर सामाजिक कार्यों में अग्रणी हे आपके सम्मानित होने पर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, प्रेस क्लब सदस्यों, आई सेक्ट संस्था सभी विद्यार्थियों सहित नगर के कहीं गणमान्य नागरिकों ने बधाई दी।

ब्राह्मण शक्ति को जागृत करने 10 को मंदसौर में होगा राष्ट्रीय ब्रह्म समागम, बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय परशुराम सेना की प्रदेश इकाई के तत्वावधान में आगामी 10 सितंबर को नगर के कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित होने जा रहे विशाल ब्रह्म समागम 2023 की व्यापक तैयारी को लेकर नरसिंह घाट अखाड़ा क्षेत्र में पारख समाज के रिसोर्ट में आयोजित सकल ब्राह्मण समाज की वृहद बैठक संपन्न हुई। बैठक में अंचल के प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता पं. मिथिलेश नागर, सकल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं.दिलीप शर्मा, राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र व्यास,शिक्षा विद रमेश चंद्र चंद्रे, महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ रविंद्र कुमार सोहनी, सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष पं. अरुण शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार व जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, राज्य आयुक्त स्काउट संघ डा.क्षितिज पुरोहित, परशुराम सेना की प्रदेश महिला इकाई की सचिव श्रीमती विद्या उपाध्याय सांसद निजी सहायक हेमन्त शर्मा मंचासीन थे।

युवा मतदाता अपना नाम 31 अगस्त तक मतदाता सूची में जुड़वाएं-कलेक्टर

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने मतदाता जागरूकता के माध्यम से सभी युवा मतदाताओं से अपील की है कि, जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। वे अपना नाम मतदाता सूची में जरूर जुड़वाए।

नए मतदाताओं के नाम 31 अगस्त तक जोड़े जा रहे हैं। इसके लिए फॉर्म 6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। सेक्टर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 31 अगस्त 2023 तक सभी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज किये जाए इसके लिए अधिकारी भ्रमण करें और मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम पूर्ण करें। जिससे कोई भी मतदाता न छूटने पाए। उन्होंने कहा कि सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, बीएलओं की सतत मॉनिटरिंग करें और कंट्रोल रूम सक्रिय करें। महाविद्यालय में जाकर 18 वर्ष पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के नाम भी मतदाता सूची में दर्ज किये जाएं। समस्त अनुविभागीय अधिकारी मतदाता सूची के संबंध में 31 अगस्त को कितने नाम जोड़े इस संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। जिन मतदाताओं के नाम छूटे हुए है इसकी मुनादी करवाई जाए जिससे छूटे हुए मतदाता अपने नाम जुड़वा सकें। कलेक्टर ने कहा कि सेक्टर अधिकारी मतदान केन्द्रों का भ्रमण करे और जहां रैम्प, दरवाजे इत्यादि की जरूरत हो उसे ठीक करवाना सुनिश्चित करें।

नेशनल लोक अदालत 9 सितम्बर को

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवाप्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार तथा श्री अजीत सिंहप्रधानजिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरणमंदसौर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय, तहसील न्यायालय भानपुरा, गरोठ, सीतामऊ, नारायणगढ, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता फोरम, मंदसौर में 9 सितम्बर 2023 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत काआयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के सचिव/जिलान्यायाधीश श्री हर्ष सिंह बहरावत द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत मेंविभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरण जैसे क्लेम प्रकरण, सिविल प्रकरण, विद्युत प्रकरण, धारा 138 एन.आई.एक्ट के प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, भू-अर्जन, श्रम प्रकरण, उपभोक्ता विवाद संबंधी मामले, राजीनामा योग्य दांडिक प्रकरण, सर्विस मैटर व जिला न्यायालय में लंबित राजस्व मामलों के साथ प्रस्तुतहोने वाले प्री-लिटिगेशन मामलों को आपसी समझौते की प्रक्रिया हेतु रखा जायेगा। उक्त नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताण, विद्युत विभाग, बीमा कंपनियों एवं बैंकों के वरिष्ठअधिकारियोंके साथ बैठक की जावेगी। लोक अदालत में निराकृत होने वाले प्रकरणों में जमाकिया गया न्याय शुल्क पक्षकार वापिस लेने का हकदार है। अत: समस्त पक्षकारएवं उनके अधिवक्तागणों से अपील की जाती है कि वे अपने प्रकरण अधिक से अधिकसंख्या में निपटाकर लोक अदालत योजना का लाभ उठावें।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं ने मनोकामना अभिषेक का लाभ लिया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सावन मास के अंतिम सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ मनोकामनाभिषेक में श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया के पूज्य संत श्री मणिमहेश चैतन्य जी ने रजत प्रतिमा का किया पूजन किया। मनोकामना अभिषेक में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्मलाभ लिया। आज 29 अगस्त को मनोकामना अभिषेक का समापन होगा।

पूज्य संत श्री मणिमहेश चैतन्य जी ने अभिषेक मंच से आशीर्वचन देते हुए कहा कि भगवान शिव दानी व जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता है इसीलिये इन्हें भगवान आशुतोष भी कहा गया है। रुद्राभिषेक यानि भगवान शिव का रुद्रष्टाध्यायी के मन्त्रों द्वारा अभिषेक करना, रुद्राभिषेक वैसे तो हम कभी भी करें फलदायी ही होता है लेकिन श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है इसीलिए श्रावण मास में रुद्राभिषेक का महत्व कई गुणा बढ़ जाता है । श्रावण मास भगवान शिव का अभिषेक करना विशेष फलदायी होता है। आपने कहा कि शिव पूजा सनातन धर्म में सबसे प्रभावशाली पूजा मानी जाती है जिसका फल हमें तुरन्त प्रभाव से मिलता है । शिवजी को प्रसन्न करने का सबसे सरल एवं श्रेष्ठतरीका है अभिषेक करना भगवान शिव का अभिषेक करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूर्ण होती है एवम सभी प्रकार के रोग दोषों का नाश होता है । रजत प्रतिमा पूजन पूज्य संत के साथ ही अंजू किशोर टांक, जय भवानी ग्रुप के अशोक अग्रवाल ने भी किया।

प्रभु भक्ति में मंत्रों का अहम योगदान-संत ज्ञानानंदजी

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर के खानपुरा स्थित श्री केशव सत्संग भवन में चातुर्मास हेतु ज्ञानानंदजी महाराज हरिद्वार विराजित है जिनके मुखारविन्द से प्रतिदिन श्रीमद भागवत कथा के एकादश स्कंद का वाचन किया जा रहा है, जिसका श्रवण करने के प्रतिदिन प्रात: 8.30 बजे से 10 बजे तक बडी संख्या में धर्मालुजन पधार रहे है।

सोमवार को धर्मसभा में संतश्री ज्ञानानंदजी महाराज ने कहा कि हम प्रभु की भक्ति करते है उनका भजन करते है जिसका लाभ हमें हमारे सांसारिक जीवन में होता है। लेकिन प्रभु भक्ति की मंत्रों के साथ की जाती है तो उसका और अधिक प्रभाव हमारे जीवन पर होता है। आपने कहा कि हिन्दू शास्त्रों में मंत्रों का बहुत महत्व है। मंत्र हमारी साधना को पूर्ण करते है यज्ञ हो या फिर हवन सभी में मंत्रों को विशेष महत्व होता है। धर्मसभा में शिवस्तोत्र मंत्र का जाप भी किया गया। धर्मसभा में केशव सत्संग भवन के अध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया ने बताया कि हमारे हिन्दू सनातनी धर्म में जनेउ का विशेष महत्व है। इसी हेतु यज्ञोपवित धारण कर्म का आयोजन बुधवार 30 अगस्त को प्रात: 9 बजे ब्रम्ह चेतन्य आश्रम खानपुरा में किया जा रहा है। जिसे पं जगदीश लाड संपन्न करवायेंगे। श्री सेठिया ने बताया कि जनेउ धारण कर्म में पुराने जनेउ धारी एवं जो नये हो दोनों सादर आमंत्रित है। सोमवार को धर्मसभा के अंत में भगवान की आरती उतारी गई जिसके पश्चात् प्रसाद का वितरण किया गया। धर्मसभा में विशेष रूप से केशव सत्संग भवन के अध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया, मदनलाल गेहलोत, पं शिवशंकर शर्मा, शंकरलाल सोनी, प्रवीण देवडा, संतोष जोशी, आंनदीलाल मोदी, कमल देवडा, राव विजय सिंह राधेश्याम गर्ग, जगदीश गर्ग, इंजि आर सी पाण्डेय, भगवतीलाल पिलौदिया, घनश्याम भावसार, सहित बडी संख्या में महिलाएं पुरूष उपस्थित थे।

यज्ञोपवित धारण कर्म का आयोजन कल

जगदीश मंदिर में तिरंगे हिंडोले के हुए दर्शन

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। चंद्रयान की सफलता का प्रभाव अब मंदिरों में भी देखा जा रहा है श्रावण मास में प्रतिदिन सायं काल श्री जगदीश मंदिर जीवागंज में होने वाले हिंडोला के दर्शनों के क्रम में गत संध्या तिरंगा हिंडोला के दर्शन कराए गए। मंदिर के पुजारी पं.यशवंत व्यास ने बताया कि चंद्रयान की सफलता से पूरे देश और दुनिया में भारत की उपलब्धि का जो परचम फैला हुआ है इसी से प्रेरित होकर प्रभु प्रेरणा से सावन मास में जगदीश मंदिर में प्रतिदिन होने वाले हिंडोला दर्शन के क्रम में तीन हिंडोला के दर्शन हुए तीनों के रंग अलग-अलग हरा सफेद और केसरिया रंग तिरंगे के रूप में दर्शनों की शोभा बढ़ा रहे थे। वास्तव में तिरंगे हिंडोले में भगवान के दर्शन कर दर्शनार्थी प्रफुल्लित हुए।

भाजपा महिला मोर्चा का राखी संग पाती कार्यक्रम संपन्न

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एंव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में संगठन कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम आज भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया के निर्देशानुसार आज मुख्यमंत्री निवास पर महिला मोर्चा मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी चौहान जी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ राखी संग पाती कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मंदसौर पर सांसद सुधीर गुप्ता, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के साथ महिला मोर्चा की बहनों ने लाइव देखा एंव सुना। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पं.दीनदयाल उपाध्याय एंव डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सांसद सुधीर गुप्ता, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया को भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता के नेतृत्व में महिला मोर्चा की बहनों द्वारा राखी बांधकर रक्षा बंधन पर्व को मनाया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ.सुषमा आर्य, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी, राजेश नामदेव, नगरी नगर पंचायत अध्यक्ष संगीता बग्गड़, महिला मोर्चा जिला मंत्री रेखा सियार, शशि झलोया, आरती दवे, पुष्पा चौहान, कविता चौहान, कोशल्या शर्मा, पूजा सेन आदि महिला मोर्चे की समस्त बहने उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष संध्या शर्मा ने किया एंव आभार महिला मोर्चा दलौदा मंडल महामंत्री अंजू धाकड़ ने माना। उक्त जानकारी महिला मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी विद्या कडोतिया ने किया।

कलेक्टर जैन ने की ई-जनसुनवाई

नीमच, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ई-जनसुनवाई करते हुए ग्रामीणों की समस्या0ओं से रूबरू हुए। कलेक्टर श्री जैन ने ई-जनसुनवाई में मनासा जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत खिमला ब्लासक, राजपुरा, अरनिया ढाणी, चचौर एवं बनडा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यसम से संवाद कर, ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उपस्थित जिला अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। ई-जनसुनवाई में राजपुरा में स्कूल भवन मरम्मरत करवाने, मांग पर कलेक्टिर श्री जैन ने उपयंत्री को निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुरत करने के निर्देश दिये, बनडा की आंगनवाडी कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने, अरनियाढाणी में आंगनवाडी की मांग पर मिनी आंगनवाडी खुलवाने का प्रस्तालव देने के निर्देश दिए गये। पंचायतों में नवीन ग्राम आबादी घोषित करवाने, स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण करवाने, एवं पेयजल के लिए तालाब के किनारे कुआं निर्माण करवाने, मांग पर कलेक्टर ने पंचायत सचिव को निरीक्षण कर कार्यवाही के निर्देश दिए। कृषको द्वारा खेत पर जने का रास्ता खुलवाने के लिए तहसीलदार को मौका मुआयना कर, कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों की मांग पर चचौर आंगनवाडी भवन मरम्मत करवाने,चचौर में कुए के जल से रोगे होने की समस्या पर पानी की जॉच करवाने के निर्देश दिए। चचौर के जेतराम एवं मम्मु खां ने वृद्धावस्था पेंशन दिलवाने एवं फसल नष्ट होने पर आर्थिक सहायता दिलवाने, स्कूल की बाउण्ड्रीवाल निर्माण करवाने पर सचिव को प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बनडा उपस्वास्थ केन्द्र से एएनएम के स्थारनांतरण होने की समस्या बताई। बनडा के जगदीश गुर्जर ने माता को पीएम सम्मान निधि नही मिलने की समस्या पर संबंधित अधिकारी को जॉच कर कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए।

कार्यालयः-नगर परिषद रतनगढ जिला नीमच म. प्र.

Ph- 07420 253646, Email- cmoratangarh@mpurban.gov.in

क्रमांक-.1933 / दू.नि. / 2023 रतनगढ दिनांक 21 / 08 / 2023

// मुखण्ड निलामी (ई-निविदा) आमंत्रण सूचना //

नगर परिषद् रतनगढ के निकाय स्वामित्व की भूमि पर निर्मित वार्ड क्रमांक 13, नीमच नीमच-सिंगोली रोड पर स्थित भूमि पर मुखण्ड का आवंटन, निर्धारित शर्तों एवं म.प्र. नगरपालिका (अचल सम्पत्ति अंतरण) नियम, 2016 के नियमों अनुसार निम्न तालिका मे वर्णित संपत्तियों के विक्रय हेतु आनलाईन पद्धति से www.mptenders.gov.in के माध्यम से ई-निविदा मुखण्ड के सामने अंकित ई-निविदा आईडी.अनुसार पृथक-पृथक ई-निविदा/निलामी आमंत्रित की जाती है।

क्र.	आनलाईन निविदा क्रमांक	मुखण्ड क्र.	दुकानों/ मुखण्ड का आरक्षण	दुकानों/ मुखण्ड का आकार (वर्ग मी. में)	दुकानों/ मुखण्ड की प्रस्तावित प्रीमियम रूपये	दुकानों/ मुखण्ड की अग्रिम अमानत राशि रू.	निविदा फार्म शुल्क
1	2023_UAD_300727	01	अनारक्षित	78.07	992230	347280	2000
2	2023_UAD_300729	02	अनारक्षित	78.07	992230	347280	2000
3	2023_UAD_300730	03	अनारक्षित	78.07	992230	347280	2000
4	2023_UAD_300731	04	अजा./अजजा. वर्ग हेतु आरक्षित	78.07	992230	347280	2000
5	2023_UAD_300732	05	अनारक्षित	78.07	992230	347280	2000
6	2023_UAD_300733	06	अजा./अजजा. वर्ग हेतु आरक्षित	78.07	992230	347280	2000
7	2023_UAD_300734	07	अन्य पि.वर्ग हेतु आरक्षित	78.07	992230	347280	2000
8	2023_UAD_300736	08	अनारक्षित	78.07	992230	347280	2000
9	2023_UAD_300738	09	अनारक्षित वर्ग की महिलाओं हेतु आरक्षित	78.07	992230	347280	2000
10	2023_UAD_300739	10	अनारक्षित	78.07	992230	347280	2000

शर्ते :-

1. आनलाईन मुखण्ड निलामी निविदा प्रकाशन दिनांक 22/08/2023 से आनलाईन बीड प्रस्तुती करने की तिथी दिनांक 08/09/2023 सायं 17:30 बजे तक क्रय किये जा सकते है।
2. मुखण्ड निलामी हेतु विस्तृत शर्त/नियम आनलाईन वेबपोर्टल तथा कार्यालयिन समय मे अवकाश के दिनों को छोड़कर नगर परिषद की राजस्व शाखा मे देखी जा सकती है।
3. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाईट पर किया जावेगा।
4. उपरोक्त निविदा के संशोधन केवल वेबसाईट- www.mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जावेगें। पृथक से समचार पत्र मे प्रकाशन नही किया जावेगा।
5. ई-निविदा मे भाग लेने हेतु निविदाकार को उल्लेखित वेब पोर्टल पर दिये गए निर्देशानुसार स्वयं का डिजिटल सिग्नेचर बनवाई जाकर नजदीकी एम.पी.आनलाईन कियोस्क तथा उक्त वेब पोर्टल हेल्प डेस्क पर [illegible] कर सकते है।

([illegible] गुर्जर) अध्यक्ष नगर परिषद रतनगढ

([illegible]) उपाध्यक्ष नगर परिषद रतनगढ

([illegible]) उपयंत्री नगर परिषद रतनगढ

(गिरीश शर्मा) मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद रतनगढ

इतनी भीड़ आने का मतलब..!

उज्जैन/मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बीते सप्ताह कांग्रेस के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा का जन्मदिन इंदौर में उनके निवास पर मनाया गया था। चुनाव वर्ष है अनेकों नेताओं के जन्मदिन सार्वजनिक तौर पर मनाए जा रहे हैं। पर, सज्जन वर्मा का जन्मदिन समारोह अलग ही उनके प्रशंसकों के समर्पण भाव को दर्शा गया।

इंदौर-उज्जैन संभाग के अलावा अन्य जिलों से भी उनके प्रशंसकों ने उपस्थिति दर्ज करा कर विशेष चिन्हित करने लायक आयोजन बना दिया था। इतनी अधिक भीड़ आने का मतलब स्पष्ट है कि सज्जन वर्मा कांग्रेस के बहुत ही लोकप्रिय नेता हैं। इंदौर के निवासी होकर सोनकच्छ को अपना कार्य क्षेत्र बना रखा है। यहां के जनमत पर वर्चस्व ऐसा की 1984 से अभी तक छह बार विधायक, एक बार देवास-शाजापुर से सांसद रह चुके हैं। इतना ही नहीं 2003 की उमा भारती की परिवर्तन लहर में तो सोनकच्छ से प्रत्याशी का फॉर्म भरने के बाद बीमारी के चलते पूरे चुनाव प्रचार के दौरान दिल्ली एम्स में भर्ती रहकर भी अपनी लोकप्रियता के कारण जीत दर्ज कराई थी।

बीती 24 अगस्त को उनके जन्मदिन पर उनके संसदीय और विधानसभा क्षेत्र के अलावा भी अन्य शहरों से आए प्रशंसकों की भीड़ ने यह विचारने को मजबूर कर दिया कि किसी एक दल का नेता अपने व्यवहार और कार्यकुशलता से अपने जनमत में इतना लोकप्रिय भी हो सकता है की शुभकामनाएं देने वाली भीड़ भी एक चिन्हित खबर बन जाए। आज भी सज्जन वर्मा इंदौर-उज्जैन संभाग में कहीं भी जाते हैं। उनके चाहने वालों का समूह अलग ही नजर आता है। सावन के अंतिम सोमवार को मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ महादेव की शाही सवारी में शामिल होने आए तो यहां भी कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा था।

उनके समर्थकों की बात माने तो किसी भी क्षेत्र से आए कार्यकर्ता को कभी निराश नहीं किया। दूसरे क्षेत्र का होने के बाद भी कभी टाला नहीं, संतुष्ट करने और काम को करने के भरसक प्रयासों ने ही इतना लोकप्रिय बनाया है। इसे सही माना जा सकता है सज्जन वर्मा ने विधायक, मंत्री रहते ना रहते अपने समर्थकों का साथ कभी नहीं छोड़ा। इसी का नतीजा है कि आज सिर्फ विधायक हैं, पर जनसमूह की लोकप्रियता में मंत्रियों से कहीं आगे, उनके समर्थक तो उन्हें भावी विधायक और कांग्रेस की सरकार बनी तो मंत्री बनने की उम्मीद दावे के साथ कर रहे हैं। जबकि, आम आदमी भी वर्मा को प्रदेश का भावी प्रभावी नेता मान रहा है।

मुख्यमंत्री ने महाकाल शिवलिंग पर मालाओं से चौकोर आकृति में बने रुद्राक्ष को अर्पित किया

उज्जैन, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को धर्मपत्नी साधनासिंह के साथ भगवान श्री महाकालेश्वर के मंदिर पहुंचे।उन्होंने सहपत्निक भगवान का गर्भग्रह में करीब आधे घंटे तक विशेष पूजन अर्चन व पंचामृत अभिषेक किया। उन्होंने बाबा महाकाल के शिवलिंग पर मालाओं से चोकोर आकृति में बने रुद्राक्ष को अर्पित किया। उन्होंने नंदीहाल में बैठकर शिव आराधना करते हुए ध्यान लगाया। रक्षाबंधन पर बनने वाले लड्डू प्रसाद के निर्माण की शुरुआत करते हुए उसका निरीक्षण भी किया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को पूर्वान्ह अपनी धार्मिक यात्रा पर उज्जैन पहुंचे। वह सीधे पुलिस लाईन हेलीपैड पर आए , जहां जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला सीधे श्री महाकाल मंदिर पहुंचा। जहां उनके साथ पत्नी साधना सिंह भी मौजूद रही। महाकाल लोक से वे ई-रिक्शा में बैठकर महाकाल मंदिर पहुंचे। यहां महा निर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरी के आश्रम में धोती और शोला धारण किया। इसके बाद वह महाकाल मंदिर के गर्भ ग्रह में पहुंचकर उन्होंने करीब आधे घंटे तक विशेष पूजन अर्चन व पंचामृत अभिषेक किया। पूजन-अर्चन पं.प्रदीप गुरू ने सम्पन्न कराया। यहां उन्होंने बाबा महाकाल के शिवलिंग पर मालाओं से चोकोर आकृति में बने रुद्राक्ष को अर्पित किया। इसके बाद वे नंदीहाल में बैठे। जहां कुछ देर शिव आराधना में लीन दिखाई दिए। यहां उन्होंने भगवान को दंडवत प्रणाम भी किया। उन्होंने महाकाल मंदिर परिसर स्थित सिद्धिविनायक गणेश, साक्षी गोपाल मंदिर व अन्य मंदिरों में दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने दर्शन और पूजन-अर्चन के पश्चात आगामी रक्षाबंधन पर्व पर वितरित किये जाने वाले लड्डूओं के निर्माण का अवलोकन किया। रक्षाबंधन पर्व पर सवा लाख लड्डूओं का निर्माण किया जा रहा है। इन्हें श्रद्धालुओं में वितरित किया जायेगा।मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने बाबा महाकाल का दर्शन कर पूजन अर्चन किया है और प्रार्थना की है कि मध्य प्रदेश प्रगति के विकास के पथ पर और अधिक तेजी से आगे बढ़े। बाबा महाकाल की कृपा प्रदेश और पूरे देश पर हो। जनता सुखी हो, सबका कल्याण हो, मंगल हो । इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला नागझिरी हेलीपैड के से भोपाल के लिए रवाना हुआ।

सिंहस्थ 2028 आयोजन को देखते हुए बने श्री महाकालेश्वर भक्त निवास

इंदौर रोड फोर लेन पर महाकाल मंदिर समिति का 2250 कमरों का बनेगा भक्त निवास

उज्जैन, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति श्रद्धालुओं को सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इन्दौर रोड पर रिक्त भूमि पर लगभग 2250 कक्षों का भक्त निवास एवं समीप की रिक्त भूमि पर 3000 चार पहिया वाहन की पार्किंग का निर्माण किया जाना है। जिसमें भव्य इन्ट्रेन्स प्लाजा, मुख्य द्वार गार्ड रूम, 24 मीटर चौडी मेन रोड, भक्त निवास एवं वाहन पार्किंग के मध्य श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये अण्डरपास, जनरल स्टोर, उज्जैन सिटी दर्शन काउन्टर आदि बनाया जावेगा।

यह निर्णय श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष एवं कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम की उपस्थिति में रविवार को लिया गया।समिति के प्रशासक सन्दीप सोनी ने बताया कि, इन्दौर रोड पर रिक्त भूमि पर लगभग 2250 कक्षों का भक्त निवास एवं समीप की रिक्त भूमि पर 3000 चार पहिया वाहन की पार्किंग का निर्माण किया जाना है। जिसमें भव्य इन्ट्रेन्स प्लाजा, मुख्य द्वार गार्ड रूम, 24 मीटर चौडी मेन रोड, भक्त निवास एवं वाहन पार्किंग के मध्य श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये अण्डरपास, जनरल स्टोर, उज्जैन सिटी दर्शन काउन्टर आदि बनाया जावेगा। उक्त भूमि पर प्रस्तावित प्लान के अनुसार कुल 16 ब्लॉक बनाये जायेंगे। प्रत्येक ब्लॉक 6 मंजिला होकर लगभग 112 कमरों का होगा। उक्त भक्त निवास में दर्शनार्थी, स्टॉफ हेतु पार्किंग, हेल्प सेन्टर, चार्जिंग युनिट के साथ ई-स्टेशन, ई- वाहन स्टेण्ड जो दर्शनार्थियों को भक्त निवास से श्री महाकालेश्वर मंदिर तक नि:शुल्क लाने व ले जाने का कार्य करेगी।श्री महाकालेश्वर भक्त निवास के अंतर्गत बेसिक डवलपमेन्ट, रोड, प्लॉट इत्यादि पर होने वाले व्यय का वहन श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति एवं संस्थाओं के सी.एस.आर. फण्ड व दानदाताओं के माध्यम से किया जावेगा। श्री महाकालेश्वर भक्त निवास वर्ष 2028 में उज्जैन शहर में होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले के आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए बनाया जा रहा है। इसके साथ ही श्री महाकालेश्वर मंदिर में हरसिद्धी तिराहा मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु वर्तमान में संचालित अन्नक्षेत्र की भूमि पर लगभग 15 करोड की लागत से बनने वाले वातानुकूलित फेसिलिटी सेन्टर- 3 के निर्माण का अनुमोदन किया गया, जिसके भूतल पर पूछताछ केन्द्र, जूता स्टेण्ड, लॉकर, मोबाईल लॉकर, स्टोर, शौचालय, टिकिट काउण्टर, श्रद्धालुओं को बैठने हेतु प्रतिक्षालय आदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। फेसिलिटी सेन्टर-3 के प्रथम तल पर फूड कोर्ट भी बनाया जायेगा साथ ही अग्निशमन यंत्र जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं भी रहेंगी। फेसिलिटी सेन्टर-3 एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाया जावेगा। समिति द्वारा संचालित पं. सूर्यनारायण व्यास अतिथि निवास (हरसिद्धि धर्मशाला) के उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा किये जाने रिनोवेशन एवं इंटीरियर के कार्य पर व्यय होने वाली राशि 04 करोड 80 लाख 95 हजार का अनुमोदन किया गया। पं.सूर्यनारायण व्यास अतिथि निवास का संधारण के कार्य मे सर्वसुविधायुक्त कमरों का निर्माण किया जा रहा है। प्रशासक श्री सोनी ने बताया कि, श्री महाकालेश्वर मंदिर में आगन्तुक श्रद्धालुओं एवं दानदाताओं के माध्यम से बाबा महाकाल को सोना, चॉदी आदि धातुओं की वस्तुएं दान में प्राप्त होती है।

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारम्भ

सुवासरा, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। तहसील के सभी पटवारी सोमवार 28 अगस्त से अनिश्चिकालीन हडताल पर चले गए।पटवारियों की वर्षो से लंबित मांगों का निराकरण नहीं होने से पहले तो पटवारी संघ ने तीन दिन की सांकेतिक हड़ताल कर शासन को ज्ञापन दिया था। जिसके बाद सोमवार से सभी पटवारियों ने प्रभारी राजस्व निरीक्षक मुकेश सालवी के कार्यालय पहुंचकर अपने-अपने रिकार्ड जमा करवाकर पूर्ण रूप से काम बंद कर कलम बंद हडताल शुरू कर दी। वेतनमान को लेकर पटवारी संघ लंबे समय से संघर्ष कर रहा है। शासन स्तर पर अभी तक कोई निर्णय नहीं होने पर पटवारी संघ के प्रदेश संगठन के आव्हान पर तहसील के सभी पटवारियों ने कलम बंद हडताल शुरू कर दी। पटवारी संघ के तहसील अध्यक्ष बालाशंकर धाकड़, प्रभुलाल रायका, शुभम जैन, मुकेश सालवी, सुमेरसिंह देवडा, धर्मेंद्र त्यागी, निलेश लोहार, शबनम मंसूरी, हरीश पाटीदार, दीपक बागवान, अभय रावत, नवीन शर्मा, पीयूष चौबे, कैलाश सूर्यवंशी, दिलीपसिंह गहलोत, राहुल आंजना, भारत दोहिदा, विनोद बामनिया, कमलेश मांडकारिया, सुंदरलाल धाकड सहित तहसील के सभी पटवारियों ने काम बंद कर अनिश्चित कालीन हडताल प्रारंभ कर दी।

नगर परिषद पिपलियामंडी की बैठक सम्पन्न

अधिक बेनर, पोस्टर लगाने वाले से 1000 रुपए वसूलने का निर्णय, सभी प्रस्तावों को सर्वानुमति से स्वीकृत किया

पिपलियामंडी, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को नगर परिषद अध्यक्ष इंदिरा सुनील देवरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई विशेष बैठक में 21 प्रस्तावों को सर्वानुमति से स्वीकृति मिली। बैठक में नगर में मेन रोड एवं विभिन्न स्थानों फ्लेक्स /बैनर /पोस्टर इत्यादि आयोजन के 3 दिन पूर्व लगाने तथा कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात दूसरे दिन उतारने सम्बन्धी प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात दूसरे दिन नहीं उतारने की स्थिति में निकाय कर्मचारियों द्वारा उतारे जाएँगे तथा लगाने वाले व्यक्ति से 500/- रूपये जुर्माना की राशि वसूल की जाएगी। साथ ही अधिक मात्रा में फ्लेक्स /बैनर /पोस्टर इत्यादि लगाने वाले व्यक्ति से 1000/- रूपये जुर्माना की राशि वसूल किये जाने का प्रस्ताव सर्वानुमति से स्वीकृत किया गया। डाक बंगले की दुकानों को व्यवस्थापन करने के सम्बन्ध में आगामी परिषद बैठक में पुनर्विचार करने, नगर में स्थित समस्त निजी प्लाटों/भूखण्डों की सफाई व्यवस्था पर विचार विमर्श उपरांत सर्वानुमति से निर्णय लिया गया है की निजी प्लाटधारी को सफाई हेतु सूचना पत्र जारी किया जावे उसके पश्चात भी सफाई नहीं करने की स्थिति मै निकाय के कर्मचारियो द्वारा सफाई करवाई जावे और उसका शुल्क निजी प्लाटधारी से लिया जाए, जिसमें 1000 से कम वर्गफीट वाले प्लाट मालिक से 500/- रूपये तथा 1000 से अधिक वर्गफीट वाले प्लाट मालिक से राशी 1000/- रूपये वसूल किये जाने, शासन निर्देशानुसार पी.एम. स्ट्रीट वेंडर बाज़ार बैठक अर्धवार्षिकी/वार्षिकी निर्धारण करने पर विचार विमर्श उपरांत सर्वानुमति से निर्णय लिया गया है की वर्तमान में प्रतिदिन की जा रही वसूली को ही यथावत रखा जाने, वार्ड क्रमांक 1 में जगदीश गुर्जर के माकन से गणेश मंदिर के पीछे तक रोड, नाली एवं पाइप लाइन डालने सम्बन्धी कार्य की प्राप्त दर स्वीकृत, वार्ड क्रमांक 3 पुरानी पानी की टंकी एरिया, पटवारी से मकान से शक्तिपीठ तक एवं कमल तिवारी वाली गली में रोड व नाली निर्माण कार्य की प्राप्त दर स्वीकृत, वार्ड 6 व 7 पटवारी भवन से जगदीश माली के माकन तक रोड व नाली निर्माण कार्य की प्राप्त दर स्वीकृत, वार्ड 7 राजू सिग्लिकर से मनोहर कन्हैयालाल के मकान से होकर दाल मिल नाले तक नाला निर्माण कार्य की प्राप्त दर स्वीकृत, वार्ड 12 में हैंडपंप लगाने सम्बन्धी कार्य की प्राप्त दर स्वीकृत, वार्ड 15 नगर परिषद् कार्यलय से अग्रवाल मेडिकल के मकान तक एवं गुप्ता, बैंक वाली गली में सीमेंट रोड निर्माण कार्य की प्राप्त दर स्वीकृत, मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना (चतुर्थ चरण) की डीपीआर शासन को प्रेषित करने का प्रस्ताव स्वीकृत, नगर में विभिन्न स्थानों पर विद्युत पोल शिफ्टिंग कराने हेतु प्रस्ताव स्वीकृत, वार्ड 13 के पार्षद एवं आमजन की मांग अनुसार मांगलिक भवन निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव स्वीकृत, शक्तिपीठ मेन रोड को खात्याखेडी रोड चौराहे से जोडने के लिए अंडरब्रिज बनाने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजना हेतु स्वीकृत, सरकारी कुए से तेजाजी बावजी मंदिर तक डामरीकरण रोड निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव स्वीकृत, वार्ड 3 पावागढ माताजी मंदिर रोड पर डामरीकरण रोड निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव स्वीकृत, वार्ड 3 महेश्वरी धर्मशाला रोड पर डामरीकरण रोड निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव स्वीकृत, वार्ड 9 देवीलाल मेघवाल से शासकीय शोचालय तक दोनों साइड में एवं प्रभुलाल गजक वाले से शासकीय शोचालय तक नाली निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव स्वीकृत किए। रक्षाबंधन महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए बाज़ार में फूटपाथ /पथ पर राखियाँ व नारियल विक्रय करने वाले व्यक्तियों से किसी भी प्रकार की राशि वसूल नही किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव सर्वानुमति से लिया। वार्ड 5 की पार्षद चेतना मुकेश निडर ने कॉलोनियों के भूखण्ड स्वामी और भवन निर्माताओं के लिए निर्धारित भारी भरकम विकास शुल्क में रियायत देने के लिए कलेक्टर को पुनर्विचार पत्र लिखने का प्रस्ताव रखा। साथ ही मुख्य मार्ग पर पुराने नाले को उपयोग में लाकर सडक के पास गलत निर्मित नाले को बन्द कर सड़क की चौडाई बढ़ाने के लिए लिखित में सीएमओ को पत्र दिया, सभी ने इस पर सहमति जताई। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि दिलीप गोयल, विधायक प्रतिनिधि लोकेश कराडा, उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा, सभापति कमल गुर्जर, ललित कसेरा, श्रवण चौहान, वंदना कमल तिवारी, संगीता संजय धनोतिया, पार्षद संतोष गोवर्धननाथ योगी, बलराम सोलंकी, विष्णुबाला कन्हैयालाल कराडा, चेतना मुकेश पोरवाल निडर, धापूबाई अशोक कोहली, माया भूपेंद्र महावर, सरफराज मेव, बाबूभाई मंसूरी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आरती गरवाल, उपयंत्री राजेश उपाध्याय, महावीर जैन, सुनील साहू व निकाय कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूल में दिलाई मतदान की शपथ

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले में मतदाताओं को जागरूक अभियान के तहत स्कूल में मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई गई। शपथ ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह गतिविधि हाट बाजार, मेलो, चौराहों पर की जा रही है। साथ मतदान केंद्रों पर जाकर ईवीएम को चलाना, मतदान का महत्व, लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओं को बताया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में जागरूकता उत्पन्न हो।

बाबा बर्फानी और भांग से हुआ मनोकामना महादेव का श्रृंगार

नीमच, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बैकुंठ धाम स्थित 165 वर्ष पुराने चमत्कारी मनोकामना महादेव पर सावन के अंतिम सोमवार पर पुलिया के नीचे मनोकामना महादेव जी का बाबा बर्फनी और भांग से श्रृंगार किया गया। नयनाभिराम झांकी में बर्फ का पहाड ,कबूतर और खरगोश आकर्षण का केन्द्र रहे। समिति के संरक्षक शिव महेश्वरी ,अध्यक्ष दिलीप छाजेड ,रमेश जायसवाल ,प्रवीण शर्मा ने बताया कि प्रात: 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक महादेव जी का अभिषेक किया गया तत्पश्चात प्रभु इच्छा तक झांकी का आयोजन हुआ जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु भक्तगणों ने दर्शन लाभ लिए।

❊ उठावना ❊

स्वर्गीय बलराम जी फरक्या एवं स्वर्गीय जगदीश जी फरक्या के जीया जी एवं पुष्पेंद्र, शैलेंद्र, स्वर्गीय अमित ,सुमित के फूफा जी श्री नरसिंह लाल जी मोदी चंदवासा वाले का स्वर्गवास आज दिनांक 28.8.20223 को हो गया है जिनके उठावने का कार्यक्रम 29.8.2023 मंगलवार को प्रात: 11:00 बजे पोरवाल धर्मशाला पिपलिया मंडी पर रखा गया है।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
समस्त फरक्या परिवार भाटखेडी, मनासा एवं पिपलिया मंडी
फर्म-बलराम एंड ब्रदर्स पिपलिया मंडी

श्री महाकालेश्वर की अष्टम सवारी में श्री रुद्रेश्वर स्वरूप में दर्शन

उज्जैन, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्रावण माह के अंतिम सोमवार पर भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी में रजत जडित पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड रथ पर शिवतांडव, नन्दी रथ पर उमा-महेश, डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद, बैलगाड़ी में श्री घटाटोप स्वरुप, श्री जटाशंकर रूप व अष्टम सवारी में श्री रुद्रेश्वर स्वरुप में विराजित होकर अपनी प्रजा का हाल जानने भ्रमण पर निकलें।

भगवान श्री महाकालेश्वर के वैभव, ऐश्वर्य व गरिमा की छटा चारों ओर देखतें ही बन रही थी। मंदिर के सभामंडप में सर्वप्रथम भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर का षोडशोपचार से पूजन-अर्चन कर भगवान की आरती की गई। पूजन-अर्चन मुख्य पुजारी पं. घनश्याम शर्मा द्वारा संपन्न कराया गया। सवारी के निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभामंडप में अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति कुमार पुरूषोत्तम सहित अन्य समिति सदस्यों ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन -अर्चन किया और आरती में सम्मिलित हुए। रजत पालकी में विराजित भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर जैसे ही मुख्य् द्वार पर पहुचें, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा श्री चन्द्रमोलेश्वर भगवान को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई। सवारी मार्ग में स्थान-स्थान पर खडे श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के घोष के साथ उज्जैन नगरी के राजा भगवान श्री महाकालेश्वर पर पुष्पवर्षा की।श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी महाकाल मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी होते हुए रामघाट पहुंची रामघाट पर श्री चन्द्रमोलेश्वर व श्री मनमहेश का मॉ क्षिप्रा के जल से अभिषेक पूजन किया गया।इसके उपरांत सवारी अपने परंपरागत मार्ग से होती हुई गोपालमंदिर पहुंची यहां रियासत काल का पूजन किया गया।यहां से सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर के लिए परंपरागत मार्ग से रवाना हुई।

भस्मार्ती के दौरान 34 हज़ार से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन- श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण माह के आखरी सोमवार को श्री महाकालेश्वर भगवान के पट प्रात: 02:30 बजे खुले। पट खुलने के पश्चात प्रात: 2:30 से प्रात: 06 बजे तक लगभग 34 हज़ार 3 सौ 16 श्रद्धालुओं ने चलित भस्मार्ती में श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये। मंदिर प्रबन्ध समिति के प्रशासक संदीप सोनी ने बताया कि, श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभी द्वार से श्रद्धालुओं, कावड यात्रियों, वृद्धजनों, दिव्यांगों आदि के सुलभ दर्शन की व्यवस्था की गई है।श्रावण माह में भगवान महाकालेश्वर की भस्मारती हेतु मंदिर के पट 04 जुलाई से 11 सितम्बर तक प्रत्येक सोमवार प्रात: 2.30 बजे और अन्य दिवस प्रात: 3 बजे खुलेंगें

कोठारी कॉलोनी के निवासियों ने नपाध्यक्ष का स्वागत किया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों म.प्र. शासन के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के द्वारा लागू की गई सुराज कॉलोनी योजना के अंतर्गत मंदसौर नगरपालिका ने नगर की 61 कॉलोनियों को वैध करने की प्रक्रिया पूरी की है। इसमें कोठारी कॉलोनी भी एक है। कोठारी कॉलोनी के निवासियों के द्वारा मंदसौर नपाध्यक्ष व वार्ड की पार्षद श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर का स्वागत कार्यक्रम पंचमुखी बालाजी यूनिवर्सल जिम के सामने आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वार्ड के नागरिकों ने नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर का माला पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें कोठारी कॉलोनी को वैध कराने पर उनका आभार व्यक्त किया।

मल्हारगढ़ केमिस्ट एसोसिएशन का मिलन समारोह संपन्न

नारायणगढ़, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ तहसील केमिस्ट एसोसिएशन का मिलन समारोह संपन्न हुआ।

उक्त जानकारी मल्हारगढ तहसील केमिस्ट एसोसिएशन के सहसचिव कुंदन गुप्ता (गुप्ता मेडिसीन कॉर्नर) ने देते हुए बताया है कि मल्हारगढ तहसील केमिस्ट एसोसिएशन का मिलन समारोह दिनांक 27 अगस्त 2023, रविवार को भैंसासुरी माताजी मंदिर प्रांगण, गाडगिल सागर बांध, मल्हारगढ पर रखा गया। उक्त कार्यक्रम में मंदसौर जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव श्री अरुण भदादा, मंदसौर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मनीष चौधरी (मेडिको डिस्ट्रीब्यूटर्स), सचिव श्री दीपक पाटीदार (विजय मेडोकोज), संरक्षक श्री राजेश पालीवाल (राज इंटरप्राइजेस), मंदसौर केमिस्ट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष श्री पंकज सुराना (बाफना मेडोकोज), मल्हारगढ केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रकाश बंसल अतिथि स्वरूप मंचासीन थे। कार्यक्रम की कडी में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भगवान धन्वंतरि की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत तहसील केमिस्ट एसोसिएशन के वरिष्ठ केमिस्टों द्वारा माला पहनकर किया गया एवं अतिथि परिचय भी किया गया। स्वागत भाषण तहसील अध्यक्ष श्री प्रकाश बंसल द्वारा दिया गया।

अतिथि उद्बोधन में जिला सचिव श्री अरुण भदादा ने बताया ही की जिला केमिस्ट एसोसिएशन प्रत्येक केमिस्ट की समस्या के समाधान हेतु हमेशा तत्पर हैं। संगठन से हमें शक्ति मिलती है। संगठन प्रत्येक केमिस्ट के सहयोग से मजबूत होता है। इस अवसर पर मंदसौर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मनीष चौधरी ने बताया है कि तहसील स्तर पर संगठन का होना काबिले तारीफ है। प्रत्येक तहसील स्तर पर संगठन का गठन और बैठक होना चाहिए। संगठन एकता की मिसाल है। संगठन के पदाधिकारी का निर्णय संगठन के हित में होना चाहिए। संवाद मंच के जरिए समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। प्रतिस्पर्धा का सामना जीवन में हमेशा रहेगा, हमें इससे हटकर बाहर आना ही पडेगा। हमेशा कानूनी दायरे में रहकर व्यापार करें। संरक्षक श्री राजेश पालीवाल ने भैंसासुरी माताजी के जयकारे के साथ बताया है कि संगठन में शक्ति होना चाहिए। संगठन के माध्यम से समस्या का समाधान किया जा सकता है संगठन न सिर्फ निजी स्वार्थ अपितु मानव जीवन के लिए भी समाज हित में कार्य करने के लिए होना चाहिए। संगठन के माध्यम से स्वास्थ्य मेला का आयोजन भी होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मल्हारगढ केमिस्ट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष दिलीप गोयल द्वारा किया गया एवं आभार सचिव ऋषभ दक द्वारा माना गया। कार्यक्रम के अंत में समस्त सदस्यों का सहभोज रखा गया। मल्हारगढ तहसील स्तरीय केमिस्ट एसोसिएशन सम्मेलन में मल्हारगढ, पिपलियामंडी, नारायणगढ के अलावा ग्रामीण क्षेत्र बूढा, झारडा, संजीत, टकरावद, नापाखेडा, हिंगोरिया, खात्याखेडी, बही पार्श्वनाथ, बालागुढा, कनघट्टी, बोतलगंज, बिल्लोद, बड़ी गुडभेली आदि स्थानों से केमिस्ट उपस्थित थे।

मंगलनाथ में कराया दोष निवारण

उज्जैन, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आचार्य राजगुरु शर्मा एवं उनके शिष्यों से शिष्टाचार भेंट कर गुरु महाराज राहुलेश्वर जी ने भगवान महांकल के दर्शन किए। बीती 22 अगस्त 2023 को श्रावण मास षष्ठी तिथि मंगलवार के दिन देश के विभिन्न हिस्सों से गुरु महाराज राहुलेश्वर जी के शिष्यों का मंगलनाथ मन्दिर उज्जैन में मंगलदोष निवारण, मंगल- केतु अंगारक दोष पूजन, कालसर्प योग शान्ति, मंगल शान्ति ऋणहर्ता (कर्जा मुक्ति) पूजन एवं नवग्रह पूजन विधि विधान से सम्पन्न करवाया गया। इस अवसर पर उज्जैन सहित देश के विद्वान पंडितो ने मंगलाचार किया।

CHANGE OF NAME

I, Zulkarnen S/o Late Taher Ali, Address: S/O Taher Ali, mulla ji ki haveli, sarafa bazar, Mandsaur, Madhya Pradesh, 458001 . do hereby declare that my actual/correct name is Zulkarnen which is recorded in my Aadhar Card No. 3192 7111 1929 but my name recorded as Zulkarnen Meher in my daughter's (Kurratulain Mandsaur wala) Educational Certificates. That Zulkarnen and Zulkarnen Meher identically refer to me is one and same identical person.

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in

सभी तरह की दवाईयां लिख... पेज 1 से जारी

दवाएं लिखेंगे तो हेल्थ पर होने वाले खर्च में कमी आएगी।

कई बार दी जा चुकी है चेतावनी- इससे पहले भी कई बार डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं न लिखने पर कार्रवाई की चेतावनी दी जा चुकी है। मई 2023 में निर्देश देते हुए स्वास्थ विभाग ने कहा था कि केंद्र सरकार ने अस्पतालों, स्वास्थ्य योजना कल्याण केंद्रों और पॉलीक्लिनिक के डॉक्टरों को कई बार जेनेरिक दवाएं लिखने के निर्देश जारी किए हैं। इसके बावजूद अस्पतालों के रेजिडेंट और एक्सपर्ट्स डॉक्टर मरीजों को प्रिस्क्रिप्शन में ब्रांडेड दवाएं लिख रहे हैं। अब ये बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।